बागेश्वर धाम एवं मेहंदीपुर बालाजी के चरणों में समर्पित

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

संस्कार उजाला

सच का हुंकार

sanskarujala@gmail.com

संस्थापक स्व० सुखराम शर्मा एवम शिवकुमार शर्मा, श्री प्रकाशवीर

संस्कार उजाला

हिन्दी समाचार पत्र को आवश्यकता है

विज्ञापन एंव खबर लाने वाले स्टाफ की।

सम्पर्क करें

मो0-9456278011

गाजियाबाद से प्रकाशित, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा आगरा, इटावा, कानपुर एंव लखनऊ से प्रसारित

वर्ष : 11 अंक : 133 | शनिवार 2 सितम्बर 2023 गाजियाबाद | RNI No-UPHIN / 2013 / 50466 | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

40 हजार हेक्टेयर में बसेगा ग्रेटर नोएडा फेज-2, मास्टर प्लान की मंजूरी में अभी कई अड़चनें

नोएडा। ग्रेटर नोएडा फेज-2 के मास्टर प्लान में अभी कई अड़चन हैं। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने मास्टर प्लान की सैद्धांतिक सहमति जरूर दे दी है, लेकिन अभी इसमें काफी काम बाकी है। सभी स्टेक होल्डरों से बातचीत की जानी है। साथ ही, आमजन के सुझाव एवं आपत्तियां भी ली जानी हैं। इसके बाद ही मास्टर प्लान पर अंतिम मुहर लग सकेगी। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की इसी महीने हुई बोर्ड बैठक में प्राधिकरण के फेज-2 (मास्टर प्लान 2041) मास्टर प्लान को सैद्धांतिक सहमति मिल गई थी। फेज-2 करीब 40 हजार हेक्टेयर में बसाया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि मास्टर प्लान में सभी स्टेक होल्डरों से बातचीत होनी है। इसमें सिंचाई विभाग, पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, वन विभाग, जिला प्रशासन आदि शामिल है। अगर मास्टर प्लान के एरिया कोई नहर, नाला आदि है तो इसकी सही जानकारी सिंचाई विभाग ही देगा। अगर कोई वेटलैंड या अन्य ग्रीनरी है तो इस वन विभाग बताएगा। तालाब, झील, पोखर आदि की जानकारी जिला प्रशासन देगा, इसलिए यह बातचीत जरूरी है। फेज-2 में अधिकांश गांव गौतमबुद्ध नगर जिले के हैं। फेज-2 हापुड़ और बुलंदशहर सीमा तक पहुंच जाएगा। फेज-2 मास्टर प्लान लागू होने से गांवों के विकास का रास्ता भी साफ हो जाएगा।

मास्टर प्लान तीन साल की देरी से तैयार हो रहा -ग्रेटर नोएडा के फेज-2 मास्टर प्लान की योजना 2007 में बनी थी। लंबे समय तक इस दिशा में कोई काम ही नहीं किया गया। तीन साल पहले ही मास्टर प्लान बनकर तैयार हो जाना चाहिए था। अब इस दिशा में तेजी आई है। उम्मीद है कि जल्द ही मास्टर प्लान बन जाएगा और उसे लागू किया जाएगा।

अतिक्रमण से परेशानी

मास्टर प्लान में देरी से तमाम दिक्कतें आ गई हैं। फेज-2 में अवैध निर्माण काफी हो गया है। गोदाम, वेयरहाउस, दुकान, स्कूल आदि बन गए। मास्टर प्लान के बाद परियोजनाओं को धरातल में उतारने पर ये निर्माण भी बाधा बन सकते हैं, इसलिए जरूरी है कि मास्टर प्लान तैयार करके उसे लागू कर दिया जाए।

भाजपा निकालेगी पांच जनआशीर्वाद यात्राएं, नड्डा और केन्द्रीय मंत्रीगण करेंगे शुभारंभ

भोपाल। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव के ठीक पहले भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रदेश के पांच स्थानों से जनआशीर्वाद यात्राएं निकाल जारी रही है जिनमें पार्टी के वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। इनमें जनता को बताया जाएगा कि केंद्र और राज्य सरकार ने उनके लिए क्या किया है। इन यात्राओं को शुभारंभ पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केन्द्रीय सडक परिवहन मंत्री नितिन गडकरी करेंगे।

भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने मंगलवार देरशाम को बताया कि प्रदेश में पांच जन आशीर्वाद यात्राएं विंध्य, महाकौशल, मालवा, ग्वालियर चंबल एवं बुन्देलखण्ड से निकलेंगी। पहली यात्रा विंध्य क्षेत्र के चित्रकूट से तीन सितम्बर को कामतानाथ का आशीर्वाद लेकर शुरू होगी, जिसका शुभारंभ पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा करेंगे। यह यात्रा निवाड़ी से होते हुए भोपाल पहुंचेगी।

पहले तीन सितंबर को चित्रकूट से निकलने वाली यात्रा को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रवाना करने वाले थे, लेकिन अपरिहार्य कारणों से अब वे इस कार्यक्रम में नहीं आ रहे हैं। अब उनकी जगह भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष

जेपी नड्डा 3 सितंबर को चित्रकूट आएंगे और यात्रा का शुभारम्भ करेंगे।

वहीं, दूसरी यात्रा महाकौशल के मंडला से पांच सितंबर को प्रारंभ होगी, जिसका शुभारंभ केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह करेंगे। यह यात्रा जबलपुर होते हुए भोपाल पहुंचेगी, जबकि तीसरी यात्रा इंदौर संभाग के खंडवा से 6 सितंबर को धूनी वाले बाबा का आशीर्वाद लेकर प्रारंभ होगी। इस यात्रा का शुभारंभ केन्द्रीय सडक परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी करेंगे।

अग्रवाल ने बताया कि चौथी यात्रा मालवा के नीमच से 4 सितम्बर को प्रारंभ होगी, जिसका शुभारंभ देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे। वहीं, पांचवीं यात्रा ग्वालियर-चंबल संभाग के श्योपुर से पांच सितम्बर को प्रारंभ होगी, जिसका शुभारंभ केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह करेंगे।

भारत-चीन सीमा विवाद पर झूठ बोलती है सरकार : राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आज कहा कि भारत-चीन सीमा विवाद को लेकर मोदी सरकार झूठ बोलती है। राहुल गांधी यहां पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। राहुल गांधी ने कहा कि चीन ने हमारी सीमा में अतिक्रमण किया है। यह बात पूरा लद्दाख जानता है लेकिन प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं कि लद्दाख में एक इंच भी ज़मीन नहीं गई है। यह झूठ है। पूरा लद्दाख जानता है कि चीन ने अतिक्रमण किया है। राहुल ने कहा कि चीन ने जो मानचित्र जारी किया है, वह गंभीर मामला है। इस पर प्रधानमंत्री को कुछ बोलना चाहिए। उल्लेखनीय है कि चीन ने हाल ही में अपना नक्शा जारी किया है, जिसमें वह अरुणाचल और अक्साई चिन को अपना हिस्सा बता रहा है। इसको लेकर कांग्रेस अध्यक्ष और पार्टी की ओर से कल भी आपत्ति जताई गई थी। कल कांग्रेस ने कहा था कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से चार दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात हुई। उसके बाद भारत सरकार ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) को लेकर सख्त लहजे में चीन से बात की है। इस मुलाकात के बाद अब चीन ने एक नक्शा जारी किया है, जिसमें वह अरुणाचल और अक्साई चिन को अपना हिस्सा बता रहा है। कल कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी से सवाल पूछा था कि यह कैसा सख्त लहजा है कि चीन अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा?

चंद्रयान-3 के रंभा पेलोड को चांद पर विरल प्लाज्मा मिला

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शुक्रवार को कहा कि चंद्रयान-3 अंतरिक्ष यान के विक्रम लैंडर ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में प्लाज्मा का पता लगाया है, जो अपेक्षाकृत विरल है। चंद्रयान-3 के लैंडर पर लगे हुए रेडियो एनाटॉमी ऑफ मून बाउंड हाइपरसेंसिटिव लोनोस्फीयर एंड एटमॉस्फियर- लैंगमुइर प्रोब (रंभा-एलपी) पेलोड ने दक्षिण ध्रुवीय क्षेत्र के ऊपर सतह के निकट चंद्र प्लाज्मा वातावरण का पहली बार माप किया है। प्रारंभिक आकलन से संकेत मिला है कि चंद्रमा की सतह के पास प्लाज्मा अपेक्षाकृत विरल है। ये मात्रात्मक माप संभावित रूप से उस शोर को कम करने में सहायता करते हैं जो चंद्र प्लाज्मा रेडियो तरंग संचार के दौरान उत्पन्न होते है।

इसरो ने कहा कि इसके अलावा, वे भविष्य में चंद्र आगंतुकों के लिए उन्नत डिजाइन में योगदान दे सकते हैं। रंभा-एलपी पेलोड एक लैंगमुइर प्रोब है जिसे तिरुवनंतपुरम में विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) की अंतरिक्ष भौतिकी प्रयोगशाला (एसपीएल) द्वारा विकसित किया गया है।

यह चंद्रयान-3 लैंडर पर लगा है, जो 23 अगस्त, 2023 को चंद्रमा की सतह पर सफलतापूर्वक उतरा है। रंभा-एलपी पेलोड को चंद्र प्लाज्मा वातावरण के इन-सीटू माप करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह अंतरिक्ष का वह क्षेत्र है जो चंद्रमा की सतह के सबसे समीप है और जहां चंद्र प्लाज्मा सबसे घना है।

रंभा-एलपी पेलोड चंद्र प्लाज्मा वातावरण में इलेक्ट्रॉन घनत्व, तापमान और विद्युत क्षेत्र की माप करेगा। रंभा-एलपी पेलोड के आंकड़ों के प्रारंभिक आकलन से संकेत मिलता है कि चंद्रमा की सतह के पास प्लाज्मा अपेक्षाकृत विरल है। इसका मतलब है कि अंतरिक्ष के इस क्षेत्र में ज्यादा इलेक्ट्रॉन नहीं हैं। चंद्र प्लाज्मा की विरलता महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उसी तरीके से प्रभावित करता है जिस तरीके से रेडियो तरंगें अंतरिक्ष के माध्यम से फैलती हैं। रम्भा-एलपी पेलोड द्वारा किया गया माप वैज्ञानिकों को चंद्र प्लाज्मा वातावरण को बेहतर ढंग से समझने में मदद करेगा। इसरो ने यह भी घोषणा किया कि चंद्रयान-3 इन-सीटू वैज्ञानिक प्रयोगों से पता चला है कि लैंडर पर चंद्र भूकंपीय गतिविधि (आईएलएसए) पेलोड - पहला माइक्रो इलेक्ट्रो मैकेनिकल सिस्टम (एमईएमएस) प्रौद्योगिकी- चंद्रमा पर आधारित उपकरण - ने रोवर और अन्य पेलोड गतिविधियों को रिकॉर्ड किया है।

केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर के बेटे विकास के घर पर दोस्त की हत्या, पिस्तौल बरामद

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में दुबग्गा के बेगरिया में केंद्रीय राज्य मंत्री और सांसद कौशल किशोर के नए मकान में शुक्रवार की सुबह तड़के 4 बजे भाजपा कार्यकर्ता विनय श्रीवास्तव की पिस्टल से गोली मारकर हत्या कर दी गई। युवक के सिर में गोली मारी गई है। पिस्टल सांसद के बेटे विकास किशोर की बताई जा रही है। परिजनों ने छह लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है। मौके पर पहुंची ठाकुरगंज पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। डीसीपी राहुल राज सहित पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। तीन आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। बेगरिया निवासी विनय श्रीवास्तव (24) भाजपा कार्यकर्ता था। केंद्रीय राज्यमंत्री के बेटे विकास किशोर के

साथ रहता था। शुक्रवार की सुबह तड़के 4 बजे विनय के सिर में पिस्टल से गोली मारकर हत्या कर दी गई। शव बेड के पास जमीन पर पड़ा था। मौके पर अजय रावत, अंकित वर्मा, शमीम बाबा, बंटी सहित दो अन्य अज्ञात लोग मौजूद थे। परिजनों ने अजय,अंकित और शमीम पर हत्या करने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है।

कौशल ने पुलिस कमिश्नर को दी सूचना

कौशल किशोर ने घटना की जानकारी पुलिस कमिश्नर को दी जिसके बाद डीसीपी पश्चिमी राहुल राज, एडीसीपी चिरंजीव नाथ सिन्हा, एसीपी चौक सुनील सिंह, एसीपी काकोरी अनूप सिंह फोरेंसिक और डॉग स्क्वायड के साथ घटनास्थल पर पहुंची और जांच पड़ताल की।

मौके पर पहुंची ठाकुरगंज पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। डीसीपी राहुल राज सहित पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की।

डीसीपी ने बताया कि तीनों नामजद आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

घर पर नहीं सांसद का बेटा विकास

सांसद का बेटा विकास कल रात दिल्ली में भर्ती अपनी माँ विधायक जय देवी को देखने चला गया था। विनय सांसद के नये मकान में विकास के साथ ही रहता था। छह लोग कल रात रुके थे। इनके खिलाफ़ ही तहरीर दी गई है। तीन हिरासत में ले लिए गये है।

नेहरू मेमोरियल म्यूजियम का नाम बदलने पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लगाई मुहर

अब कहलाएगा पीएम संग्रहालय

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नेहरू मेमोरियल संग्रहालय और पुस्तकालय (एनएमएमएल) का नाम बदलकर प्रधानमंत्री संग्रहालय करने को मंजूरी दे दी है। इसको लेकर शुक्रवार को एक गजट नोटिफिकेशन भी जारी किया गया है।

14 अगस्त को बदला गया नाम

14 अगस्त को नेहरू मेमोरियल संग्रहालय का नाम आधिकारिक तौर पर बदल कर प्रधानमंत्री संग्रहालय और पुस्तकालय सोसाइटी किया गया था। इससे पहले जून में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में आयोजित के एक बैठक में नेहरू स्मारक संग्रहालय करने के प्रस्ताव पर मंजूरी दे दी गई थी। अंत में राष्ट्रपति मुर्मू ने भी इसको मंजूरी दे दी है।

पीएम मोदी होंगे अध्यक्ष

केंद्र सरकार ने PMML सोसाइटी का पुनर्गठन किया है। अब इस सोसाइटी के अध्यक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उपाध्यक्ष रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह होंगे। इसके

साथ ही, गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर, मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल सोसाइटी के सदस्य होंगे। इनके साथ ही, केंद्रीय मंत्री वी मुरलीधरन, प्रह्लाद पटेल, आईसीसीआर के अध्यक्ष विनय सहस्त्रबुद्धे आदी भी इसके सदस्य होंगे।

एक देश एक चुनाव को लेकर केंद्र ने कमेटी बनाई

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद इसके अध्यक्ष होंगे; संसद के विशेष सत्र में बिल आ सकता है

नई दिल्ली। एक देश एक चुनाव पर केंद्र सरकार ने कमेटी बना दी है। न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को इसका अध्यक्ष बनाया गया है। आज इसका नोटिफिकेशन जारी हो सकता है। केंद्र सरकार ने 18 सितंबर से 22 सितंबर तक संसद का विशेष सत्र बुलाया है। संभव है कि एक देश एक चुनाव पर सरकार बिल भी ला सकती है।

केंद्र की बनाई कमेटी एक देश एक चुनाव के कानूनी पहलुओं पर गौर करेगी। साथ ही इसके लिए आम लोगों से भी राय लेगी।

इधर, कांग्रेस ने सरकार के फैसले का विरोध किया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि आखिर एक देश एक चुनाव की सरकार को

अचानक जरूरत क्यों पड़ गई।

सत्र में पांच बैठकें होंगी, पुराने संसद भवन में शुरू होकर नए में खत्म हो सकता है

संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया, 18 से 22 सितंबर तक दोनों सदनों का विशेष सत्र रहेगा। यह 17वीं लोकसभा का 13वां और राज्यसभा का 261वां सत्र होगा। इसमें 5 बैठकें होंगी। जोशी ने यह भी कहा कि सत्र बुलाने के पीछे कोई एजेंडा नहीं है। उन्होंने जानकारी के साथ पुराने संसद भवन की फोटो शेयर की है। माना जा रहा है कि सत्र पुराने संसद भवन से शुरू और नए में खत्म होगा।

एक साल में संसद के तीन सत्र होते हैं। बजट, मानसून और शीत सत्र। मानसून सत्र 20 जुलाई से 11 अगस्त तक चला था। विशेष सत्र बुलाने की घोषणा मानसून सत्र के 3 हफ्ते बाद हुई है। विशेष सत्र मानसून सत्र के 37 दिन बाद होगा। जबकि शीतकालीन सत्र नवंबर के आखिरी हफ्ते में शुरू होना प्रस्तावित है।

5 दिन का सत्र और 5 संभावनाएं

1. महिलाओं के लिए संसद में एक-तिहाई अतिरिक्त सीट देना।
2. नए संसद भवन में शिफ्टिंग।
3. यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल पेश हो सकता है।
4. लोकसभा-विधानसभा चुनाव साथ कराने का बिल आ सकता है।
5. आरक्षण पर प्रावधान संभव। (ओबीसी की केंद्रीय सूची के उप-वर्गीकरण, आरक्षण के असमान वितरण के अध्ययन के लिए 2017 में बने रोहिणी आयोग ने 1 अगस्त को राष्ट्रपति को रिपोर्ट दी है।)

अमेजन के मैनेजर हरप्रीत गिल हत्याकांड में अब तक 4 गिरफ्तार, 1 आरोपी अभी फरार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने भजनपुरा इलाके में अमेजन के मैनेजर हरप्रीत गिल (36) की हत्या के मामले में दो और लोगों को गिरफ्तार किया है। इस हत्याकांड में अब तक चार आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस अभी फरार चल रहे पांचवें आरोपी अदनान की तलाश में जुटी है। हरप्रीत और उनके 32 वर्षीय मामा गोविंद सिंह को मंगलवार रात करीब 11:30 बजे भजनपुरा के सुभाष विहार में गोली मार दी गई थी। हरप्रीत और गोविंद दोनों बाइक पर घर से निकले थे।

पुलिस ने कहा कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सोहेल और जुबैर के रूप में हुई है, जिन्हें गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में बुराड़ी के पास से पकड़ा गया, जब वे दिल्ली से पंजाब भागने की कोशिश कर रहे थे।

डीसीपी (नॉर्थ ईस्ट) जॉय टिर्की ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया है कि भजनपुरा हत्याकांड के सिलसिले में गुरुवार रात करीब 11:30 बजे सोहेल उर्फ चौधरी और जुबैर उर्फ कसावरा (दोनों 23 साल) नाम के दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसके साथ ही हमने अब इस हत्याकांड में 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और पांचवें आरोपी को भी पकड़ने

की कोशिश की जा रही है। इस मामले में आगे की जांच जारी है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, हरप्रीत गिल मर्डर केस के आरोपी बिलाल गनी (18) को मंगलवार देर रात 2 बजे सिग्नेचर ब्रिज के पास से पकड़ा गया था, जबकि मोहम्मद समीर उर्फ माया को स्पेशल सेल ने बुधवार रात को गिरफ्तार किया। बिलाल भजनपुरा के सुभाष मोहल्ला का रहने वाला है।

डीसीपी टिर्की ने बताया कि मंगलवार रात हरप्रीत गिल और गोविंद सिंह दोनों मोटरसाइकिल से कहीं जा रहे थे, इसी दौरान एक स्कूटर और मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए हमलावरों ने उन्हें रोकने के बाद गोली मार दी।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी बिलाल गनी और उसके साथी मोहम्मद समीर (18), सोहेल (23), मोहम्मद जुनैद (23) और अदनान (19) भजनपुरा के उत्तरी घोंडा इलाके में पार्टी कर रहे थे। रात लगभग 10:30 बजे वे सभी दो स्कूटरों पर सवार होकर वहां से निकल गए। उन्होंने बताया कि वे बीच में कई जगहों पर रुके भी और फिर एक संकरी गली में जाने लगे। इस गली से दो मोटरसाइकिल एक साथ नहीं गुजर सकतीं। उन्होंने बताया कि दूसरी तरफ से हरप्रीत गिल और गोविंद सिंह आ रहे थे। उन्होंने बताया कि रास्ता देने को लेकर दोनों पक्षों में बहस हो गई और इस पर गनी तथा उसके साथी आक्रामक हो गए तभी जुनैद ने हरप्रीत को थप्पड़ मार दिया। इसी दौरान समीर ने उन दोनों को गोली मार दी।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज की मदद से बिलाल गनी समेत सभी आरोपियों की पहचान कर ली गई। पुलिस के मुताबिक, भजनपुरा में वेल्डिंग की दुकान पर काम करने वाला गनी रविवार को ही 18 वर्ष का हुआ है। वह 2022 में भजनपुरा में हत्या और डकैती मामले में भी आरोपी रहा है। पुलिस ने बताया कि उस समय नाबालिग होने के कारण वह बाल सुधार गृह से बाहर आ गया था।

सस्ती जेनेरिक दवाओं के लिए लड़नी होगी और लम्बी लड़ाई

निमिषा सिंह

भारत में पहले से ही जनऔषधि जैसी और भी कई योजनाएं हैं जो लाखों गरीबों को सरकारी अस्पतालों से मुफ्त जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराती हैं। प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र बिहार के इंचार्ज कुमार पाठक जी से जब इस सिलसिले में मेरी बात हुई तो उन्होंने बताया कि निश्चित तौर पर सरकार का यह कदम सराहनीय है। पिछले कुछ सालों से विभिन्न जन औषधि केंद्रों पर बड़ी मात्रा में जेनेरिक दवाइयों की खपत और मांग यह दशार्ती है कि लोगों में इन दवाओं के प्रति विश्वसनीयता बढ़ी है। हम जन औषधि केंद्रों पर तकरीबन 1600 तरह की दवाएं उपलब्ध करा रहे है। जेनेरिक की कम लागत ब्रांडेड दवाओं का एक विकल्प है और इसलिए जेनेरिक हावी है जो खुदरा बाजार का 70 से 80% हिस्सा बनाता है।

स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के बावजूद एक बड़ा वर्ग अब भी स्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं से अछूता है। लोग इलाज के लिए महंगी दवा लेने को मजबूर है। इंसानी जीवन रक्षा का कारोबार अमानवीय अनैतिक हवस में बदलता जा रहा है। चिकित्सकों को मंहगे उपहार देकर मरीजों के लिए मंहगी और गैरजरुरी दवाएं लिखने लिखवाने का प्रचलन लूटतंत्र का हिस्सा बन चुका है। ऐसे माहौल में चिकित्सकों को मरीजों के पर्ची में सिर्फ जेनेरिक दवाएं ही लिखने की नसीहत वाली हालिया अधिसूचना से चिकित्सा पेशेवरों और उनके अनैतिक कारोबार पर लगाम लगाने वाले फैसले को फिलहाल ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। गुरुवार को नए नियमों वाले दिशा-निदेर्शों पर राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) ने रोक लगा दी है। इस संबंध में नोटिफिकेशन जारी करते हुए आयोग ने पंजीकृत चिकित्सकों के व्यावसायिक आचरण से संबंधित विनियमों तत्काल रूप से स्थगित कर दिया। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने नए गाइडलाइन को लेकर शुरूआत से ही आपत्ति जताई थी। पिछले कुछ दिनो से इंडियन मेडिकल एसोसिएशन द्वारा सरकार पर लगातार दबाव बनाने की कोशिश की जा रही थी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया को पत्र लिखकर सभी दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित होने तक का हवाला देते हुए पर्ची में जेनेरिक दवाएं अनिवार्य रूप से लिखने पर राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) के नियमों को वापस लेने की मांग की थी। आखिकार सरकार को चिकित्सा पेशेवरों के आगे झुकना पड़ा। एनएमसी के नए दिशा-निदेर्शों के अनुसार सभी डॉक्टरों को पर्ची पर ब्रांडेड दवाइयों की जगह केवल जेनेरिक दवाइयां लिखना अनिवार्य कर दिया गया था और ऐसा नहीं करने पर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो सकती थी या मुमकिन है कि उनका लाइसेंस एक निश्चित अवधि के लिए रद्द कर दिया जाता। साथ ही मरीजों को दी जाने वाली पर्ची प्रिंटेड हो इस बात पर भी जोर दिया गया था। नए दिशानिदेर्शों पर फिलहाल रोक लगाना निसंदेह सरकार का यह फैसला गरीब मरीजों के पक्ष में तो कतई नहीं है निराशाजनक जरूर है। इसलिए हमारी ज्यादा से ज्यादा कोशिश होनी चाहिए कि लोगों को सस्ती जेनेरिक दवाओं के विषय में बताएं। उन्हे जानकारी उपलब्ध कराएं। फर्क नहीं पड़ता सरकार का अगला कदम क्या होगा। फर्क इससे पड़ता है कि मरीज या उसके घरवाले जागरूक है या नही। उन्हे जेनेरिक दवाओं के विषय में पता है या नही। जन औषधि केंद्र पर सस्ती जेनेरिक दवाएं उपलब्ध है उन्हे इस विषय में पता होना चाहिए। अगर मरीज जागरूक है तो ब्रांडेड दवाओं के कारोबार से जुड़ी लोगो की दुकान भले ही बंद न हो पर थोड़ा झटका जरूर लगेगा। सबसे जरूरी सवाल कि जेनेरिक और ब्रांडेड में फर्क क्या है? उदाहरण के तौर पर दर्द और बुखार में काम आने वाले पैरासिटामोल सॉल्ट को कोई कंपनी इसी नाम से बेचे तो उसे जेनेरिक दवा कहेंगे। वहीं जब इसे किसी ब्रांड जैसे- क्रोसिन के नाम से बेचा जाता है तो यह उस कंपनी की ब्रांडेड दवा कहलाती है। तुलनात्मक रूप से ब्रांडेड दवा जेनेरिक से काफी महंगी होती है। जाहिर है भारत में लोगों की कमाई

का एक बड़ा हिस्सा उनके स्वास्थ्य और बीमारी पर खर्च हो जाता है जिसमे सबसे ज्यादा खर्च दवाइयां पर होता है। भगवान के बाद मरीज अगर किसी पर यकीन करता है तो वह है डॉक्टर। पर्ची पर लिखी गई ब्रांडेड दवाइयां महंगी ही क्यों ना वह खरीदता जरूर है। बहुत कम लोगों को मालूम होगा कि देश में लगभग सभी नामी दवा कम्पनियां ब्रांडेड के साथ-साथ कम कीमत वाली जेनेरिक दवाएं भी बनाती हैं लेकिन ज्यादा लाभ के चक्कर में डॉक्टर और कंपनियां लोगों को इस बारे में कुछ बताते नहीं हैं और जानकारी के अभाव हम महंगी दवाएं खरीदने को विवश हैं जबकि जेनेरिक दवाइयां ब्रांडेड दवाइयां की तुलना में काफी सस्ती होती है और जन औषधि केंद्र में उपलब्ध है। मुंगेर सदर अस्पताल के परिसर में जन औषधि केंद्र के संचालक राकेश कुमार ने बातचीत के क्रम में ही मुझे जेनेरिक और गैर जेनेरिक दवा के बीच के मूल्य के बीच का अंतर बताया। दर्द और बुखार में दी जाने वाली एंटीबॉयोटिक दवा एसिक्लोफेनाक (पैरासिटामॉल) की 10 गोली वाली स्ट्रिप की कीमत जन औषधि केंद्र में दस रुपये है जबकि ब्रांडेड की कीमत 45 रुपये है। एंटीबॉयोटिक के रूप में अमोक्सिसिल्लिन-625 की कीमत औषधि केंद्र में छह गोली की स्ट्रिप 51 रुपये में मिलती है जबकि ब्रांडेड की कीमत 160 रुपये है। शुगर में दी जाने वाली दवा ग्लिमेप्राइड एक एमजी की 10 गोली की कीमत औषधि केंद्र में चार रुपये है जबकि बाजार में इसकी कीमत 50 रुपये प्रति स्ट्रिप है। यही दवा दो एमजी में 10 गोली वाली स्ट्रिप की कीमत औषधि केंद्र में 5 रुपये है, जबकि बाजार में इसकी कीमत 55 रुपये हो जाती है। गैस में दी जाने वाली दवा पैंटोप्राजोल की 10 गोली वाली स्ट्रिप की कीमत औषधि केंद्र में 22 रुपये है जबकि बाजार में इसकी कीमत 190 रुपये है। इसकी दूसरी दवा ओमीप्राजोल की कीमत औषधि केंद्र पर 10 रुपये है। जबकि बाजार में इसकी कीमत 70 रुपये हो जाती है। ब्रांडेड दवाओं की कंपनी अपने ब्रांड के प्रचार प्रसार में काफी पैसे खर्च करती है जिसकी भरपाई मरीजों की जेब काटकर की जाती है। हालांकि यह सवाल अक्सर उठाया जाता है कि क्या जेनेरिक दवाओं की गुणवत्ता और प्रदर्शन ब्रांड दवाओं के बराबर है? भागलपुर के मिनी दी मेमोरियल हॉस्पिटल के चिकित्सक डॉ रौनक राज का कहना है कि जेनेरिक दवाएं ब्रांडेड दवाओं की तरह ही असर करती है। फर्क इतना है कि ब्रांडेड दवाओं की मार्केटिंग ज्यादा होती है और चूंकि मरीज हम पर आंख मूंद कर भरोसा करते है तो हमारी पर्ची पर लिखी ब्रांडेड दवाइयां के असर के विषय में वो आश्वस्त रहते है। लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है। जेनरिक दवाएं भी ठीक उसी तरह अपना काम करती है जैसे ब्रांडेड दवाएं। ब्रांडेड दवा से जेनेरिक दवा पर स्विच करने में भी कोई नुकसान नहीं है। जो साल्ट जेनेरिक दवाइयों में होते हैं वही साल्ट ब्रांडेड दवाइयों में भी। जितनी असरकारी जेनेरिक दवाइयां होती है उतनी ही असरकारी ब्रांडेड दवाइयां फिर सवाल यह उठता है कि दोनो की कीमतों से दोगुने से भी ज्यादा का फर्क क्यूं? क्यों मेडिकल स्टोर्स पर जेनेरिक की जगह ब्रांडेड दवाइयां बेची जा रही है? क्यूं डॉक्टर जेनेरिक की जगह ब्रांडेड दवाइयां अपनी पर्ची में लिखते है ? जेनेरिक दवाएं न बिकने का कारण कहीं न कहीं डॉक्टर भी हैं। मल्टी नेशनल फार्मा कंपनी में काम करने वाले एक मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव ने बताया कि उन्हें दवाएं बेचने का टारगेट मिलता है जिसके लिए वह सरकारी और प्राइवेट दोनों ही डॉक्टर्स के पास जाते हैं। अगर कोई कंपनी नई हो या नई दवा हो और उतनी असरकारक न हो तो ज्यादातर डॉक्टर तुरंत अपने मुनाफे की बात करते है। इसके लिए उन्हें 10 से लेकर 50 परसेंट तक कमीशन देना होता है। चूंकि कंपनियां मोटा मुनाफा कमाती हैं तो इसके लिए वे डॉक्टर्स को भी बड़ा हिस्सा देने को तैयार रहती हैं। जाहिर है दवाओं के लिहाज से डॉक्टरों का हर एक प्रिस्क्रिप्शन बिका होता है। एक ऊंची बोली लगती है पर्चे में दर्ज होने वाली दवाओं की फेहरिस्त की। यहां तक कि डॉक्टरों के मेडिकल स्टोर भी फिक्स होते हैं। पर्ची पर बाकायदा लिखा होता है कि उनकी दवाएं किन मेडिकल स्टोर्स पर मिल सकती है। चूंकि जेनेरिक दवाओं में इनका कुछ फायदा होता नहीं हैं। इसलिए इन्हे लिखने में डॉक्टर परहेज करते हैं। मजाल क्या कि कोई मरीज लिखी गई दवा की जगह उसी सॉल्ट की अन्य कोई दवा ले भी ले आए तो यह कहकर वापस करा दिया जाता हैं कि जो लिखी है वही लेकर आओ। भारत में एक लंबे अरसे से सस्ती दवाओं को उपलब्धता को लेकर मांग की की जाती रही है। जन स्वास्थ्य अभियान और ग्लोबल पीपुल्स हेल्थ मूवमेंट (पीएचएम) के संस्थापक सदस्य डॉ. अमित सेनगुप्ता इस सवाल को लगातार उठाते रहे हैं। उनका निधन 2018 में हुआ। 2015 में झाबुआ में विकास संवाद की ओर से आयोजित पत्रकार समागम में दवाओं की कीमत को लेकर आवाज उठाया गयी। 2012 से सस्ती दवाइयां की उपलब्धता को लेकर मुहिम हो या फिर स्वस्थ भारत के तीन आयाम जनऔषधि, पोषण और आयुष्मान के विषय को जन जन तक पहुंचाने के लिए 21000 किलोमीटर की देशव्यापी स्वास्थ्य जागरण यात्रा करने वाले स्वस्थ भारत के फाउंडर आशुतोष कुमार सिंह ने बताया कि ऐसा नही है कि की दवा कंपनियों पर सरकार का नियंत्रण नहीं है। दवाओं और फामूर्लों की कीमतों में संशोधन करने और देश में दवाओं की कीमतों और उपलब्धता को लागू करने के लिए राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण यानी एनपीपीए मौजूद है। दुखद है की यह प्राधिकरण अपना काम सही तरीके से नहीं कर रही है। भारत में पहले से ही जनऔषधि जैसी और भी कई योजनाएं हैं जो लाखों गरीबों को सरकारी अस्पतालों से मुफ्त जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराती हैं। प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र बिहार के इंचार्ज कुमार पाठक जी से जब इस सिलसिले में मेरी बात हुई तो उन्होंने बताया कि निश्चित तौर पर सरकार का यह कदम सराहनीय है। पिछले कुछ सालों से विभिन्न जन औषधि केंद्रों पर बड़ी मात्रा में जेनेरिक दवाइयों की खपत और मांग यह दशार्ती है कि लोगों में इन दवाओं के प्रति विश्वसनीयता बढ़ी है। हम जन औषधि केंद्रों पर तकरीबन 1600 तरह की दवाएं उपलब्ध करा रहे है। जेनेरिक की कम लागत ब्रांडेड दवाओं का एक विकल्प है और इसलिए जेनेरिक हावी है जो खुदरा बाजार का 70 से 80% हिस्सा बनाता है। जैसे-जैसे भारत की जनसंख्या बढ़ रही है विशेषकर वृद्ध जनसंख्या के कारण जेनेरिक दवाओं की मांग उनकी सामर्थ्य और प्रभावशीलता के कारण काफी बढ़ गई है जो ब्रांडेड दवाओं के समान ही है। हालाकि अभी भी जेनेरिक दवाओं को लेकर लोगों के मन में तमाम तरह की भ्रांतियां देखी जाती हैं। जेनेरिक दवाएं सस्ती होने के कारण उसके गुणवत्ता पर भी सवाल खड़े किए जाते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि लोगों में जेनेरिक दवाओं से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने की आवश्यकता है। स्वाभाविक है जेनेरिक दवाओं की उपलब्धता और उपयोग के साथ हमारा इन दवाओं के साथ अनुभव बढ़ेगा उतना ही हमारा विश्वास कायम होगा। उम्मीद है की जैसे-जैसे अधिक से अधिक पेटेंट समाप्त होते जायेंगे दवा बाजार के जेनेरिक संस्करणों की बिक्री में वृद्धि की संभावनाएं और बढ़ेगी।

संपादकीय

प्रहसन बना सत्र

पूर्वोत्तर के प्रांत मणिपुर में पिछले चार महीनों से जारी जातीय हिंसा रोकने का नाम नहीं ले रही है। मंगलवार को विष्णुपर जिले के नारायणसेना में दो गुटों के बीच हिंसा हुई, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार लोग घायल हो गए। इसी दिन मणिपुर में विधानसभा का एकदिनी सत्र शुरू होने के 48 मिनट के भीतर ही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। हैरानी की बात है कि सदन की बैठक में जातीय हिंसा पर कोई चर्चा नहीं हुई, लेकिन सत्र के अंत में 'बातचीत और संवैधानिक तरीकों से' शांति कायम करने वाला एक प्रस्ताव सदन द्वारा पारित घोषित कर दिया गया। हिंसा के कारण पलायन करने वाले परिवारों के पुनर्वास का काम अधूरा है। सेना और पुलिस बलों से लूटे गए आधुनिक हथियारों की वापसी नहीं हुई है। अमन चैन की बहाली भी नहीं हो पाई है। ऐसे संकट में सदन में इस पर व्यापक तौर पर चर्चा होनी चाहिए थी, लेकिन हास्यास्पद यह है कि सत्तारूढ़ पक्ष ने चंद्रमा की सतह पर चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग की प्रशंसा की और इसरो के दल का हिस्सा रहे मणिपुर के वैज्ञानिक एन. रघुसिंह को बधाई दी। सदन में मात्र 11 मिनट कामकाज हुआ जिसे देखते हुए कहा जा सकता है कि महज संवैधानिक खानापूर्ति के लिए सत्र बुलाया गया था। संविधान के अनुच्छेद 174(1) में प्रावधान है कि प्रत्येक छह महीने में विधानसभा का एक सत्र होना अनिवार्य है। विधानसभा का पिछला सत्र मार्च में हुआ था। 2 सितम्बर को यह अवधि समाप्त हो रही थी। इसीलिए राज्य सरकार ने 21 अगस्त तक विधानसभा का सत्र बुलाने की सिफारिश की थी, लेकिन राजभवन से मंजूरी नहीं मिलने के कारण इसे 28 अगस्त तक बढ़ा दिया गया और आखिर में मुख्यमंत्री कार्यालय ने 29 अगस्त को सत्र बुलाने की घोषणा की। 60 सदस्यीय विधानसभा में कुकी समुदाय के 10 विधायक हैं। उम्मीद के मुताबिक ये सभी सदस्य राज्य में कानून व्यवस्था की खराब स्थिति का हवाला देकर सदन से अनुपस्थित रहे।

चिंतन-मनन

राष्ट्रीय एकता में बाधक तत्व

आर्थिक और सामाजिक असमानता राष्ट्रीय एकता में बहुत बड़ी बाधा है। उस असमानता का मूल है अहं और स्वार्थ। इसलिए राष्ट्र की भावात्मक एकता के लिए अहं-विसर्जन और स्वार्थ-विसर्जन को मैं बहुत महत्व देता हूं। जातीय असमानता भी राष्ट्रीय एकता का बहुत बड़ा विघ्न है। उसका भी मूल कारण अहं ही है। दूसरों से अपने को बड़ा मानने में अहं पुष्ट होता है और आदमी अपने-आप में संतोष का अनुभव करता है। अहं का विसर्जन किए बिना जातीय भेद का अंत नहीं हो सकता। मनुष्य जन्मना मनुष्य का शत्रु नहीं है। एक पेड़ की दो शाखाएं परस्पर विरोधी कैसे हो सकती हैं? फिर भी यह कहा जाता है कि धर्म-संप्रदाय मनुष्यों में मैत्री स्थापित करने के लिए प्रचलित हुए हैं। उनमें जन्मना शत्रुता नहीं है, फिर मैत्री स्थापित करने की क्या आवश्यकता हुई? मैं फिर इस विश्वास को दोहराना चाहता हूं कि मनुष्य-मनुष्य में स्वभावतः शत्रुता नहीं है। वह निहित स्वार्थ वाले लोगों द्वारा उत्पन्न की जाती है। उसे मिटाने का काम धर्म-संप्रदाय ने प्रारंभ किया, किंतु आगे चलकर वे स्वयं निहित स्वार्थ वाले लोगों से घिर गए और मनुष्य को मनुष्य का शत्रु मानने के सिद्धांत की पुष्टि में लग गए। इस चिंतन के आधार पर मुझे लगता है कि सांप्रदायिक समस्या का मूल भी अहं और स्वार्थ को छोड़कर अन्यत्र नहीं खोजा जा सकता। इसलिए सांप्रदायिक वैमनस्य की समस्या को सुलझाने के लिए भी अहं और स्वार्थ का विसर्जन बहुत आवश्यक है। भाषा, जो दूसरों तक अपने विचारों को पहुंचाने का माध्यम है, को भी राष्ट्रीय एकता के सामने समस्या बनाकर खड़ा कर दिया जाता है। अपनी भाषा के प्रति आकषर्ण होना अस्वाभाविक नहीं है। पर हमें इस तथ्य को नहीं भुला देना चाहिए कि मातृभाषा के प्रति जितना हमारा आकषर्ण होता है, उतना ही दूसरों को अपनी मातृभाषा के प्रति होता है। इसलिए भाषाई अभिनिवेश में फंसना कैसे तर्कसंगत हो सकता है। राष्ट्रीय एकता के लिए इन विषयों पर गंभीर चिंतन करना आवश्यक है।

अडॉनी समूह की कंपनियों का एक और भंडाफोड़

सनत जैन

हिंडनबर्ग की रिसर्च रिपोर्ट के बाद अब ऑर्गेनाइज्ड क्राईम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट द्वारा, अदानी समूह को लेकर एक बड़ा खुलासा किया गया है। इस खुलासे में बताया गया है, कि अडानी समूह के मालिकों ने गुपचुप तरीके से लाखों डॉलर का निवेश अपने ही कंपनियों के शेयरों में करके भारी घोटाला किया है। इस रिपोर्ट को अदानी समूह ने खारिज कर दिया है।लेकिन जिस तरह के प्रमाण इस रिपोर्ट में दिए गए हैं।उससे अदानी समूह की आगे चलकर मुसीबतें बढ़ेगी। पत्रकार जगत के आर्थिक क्षेत्र में काम करने वाले पत्रकारों द्वारा यह रिपोर्ट काफी मेहनत के बाद तैयार की गई है इसमें सभी तथ्यों को जुटाया गया है। दुनिया के दो बड़े अखबारों में यह रिपोर्ट प्रकाशित हुई है।जिनकी पूरी दुनिया में वित्तीय क्षेत्र में बड़ी मान्यता है।जैसे ही इस रिपोर्ट का खुलासा हुआ। अदानी समूह की 10 में से 9 कंपनियों के शेयर के दामों में 2 से ढाई फीसदी की गिरावट भारतीय शेयर बाजार में देखने को मिली।

ऑर्गेनाइजेशन क्राइम एंड करप्शन की रिपोर्ट, दुनिया के दो बड़े प्रतिष्ठित अखबार द गार्जियन और द फाइनेंसियल टाइम्स में प्रकाशित हुई है। उसके बाद से भारत सहित दुनिया के कई देशों में इस रिपोर्ट से हड़कंप की स्थिति बन गई है। भारत के प्रमुख मीडिया ने इस मामले में चुप्पी साध रखी है। लेकिन सोशल मीडिया और यूट्यूब में बड़े पैमाने पर इस रिपोर्ट को लेकर चचाएं हो रही हैं। इस रिपोर्ट में टैक्स हेवन देश में संबंधित कंपनियों की जानकारी उनके द्वारा किए गए लेनदेन और अडानी समूह के आंतरिक ईमेल का हवाला देते हुए जांच रिपोर्ट तैयार की गई है। इसमें रहस्यमय निवेशकों और ऑफशोर कंपनियों के बारे में बताया गया है, कि किस तरीके से शेयरों की खरीदी-बिक्री मैं धोखाधड़ी और गलत जानकारी देकर अवैध तरीके से कमाई की गई है। किस तरह से भारत से काला धन टैक्स हेवन देशों में भेजा गया। वही पैसा बाद में लौटकर भारत के शेयर बाजार में निवेश किया गया है।

ऑर्गेनाइज्ड क्राईम एंड करप्शन की रिपोर्ट में दावा किया गया है, कि अडानी परिवार के साथ निवेशक के रूप में नासिर अली शबान अहली और चेंग चुंग लिंग के लंबे समय से टैक्स हेवन देश की कंपनियों में दोनों के व्यापारिक रिश्ते हैं। विनोद अदानी जो गौतम अडानी के भाई हैं। उनकी कंपनियों के आपस में गहरे व्यापारिक रिश्ते हैं। कंपनी में बराबर की साझेदारी है। दस्तावेजों के परीक्षण करने के बाद जो रिपोर्ट तैयार की गई है। उसके अनुसार विनोद अदानी की कंपनी को निवेश में सलाह देने के लिए भुगतान किया गया है। विनोद अडानी की सलाह पर लगभग लगभग सारा निवेश गौतम अदानी समूह की कंपनियों में किया गया है।

सेबी ने हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर इस मामले में जांच की है। सेबी ने अपनी रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत कर दी है। लेकिन टैक्स हेवन देशों से आए हुए निवेश को लेकर जांच होनी थी। उसको लेकर सेबी ने अपनी रिपोर्ट में सुप्रीम कोर्ट में असमर्थता जताई है। सब जानकारी एकत्रित कर पाना उनके लिए संभव नहीं है। इसी बीच ऑर्गेनाइज्ड क्राईम एंड करप्शन की रिपोर्ट ने जो डिटेल प्रस्तुत कर दी हैं।उसको लेकर अदानी समूह की कंपनियों की परेशानी निश्चित रूप से बढ़ने जा रही है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इसका असर पडना तय है। अदानी समूह भारत में तो इस जांच को प्रभावित कर सकता है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसे प्रभावित कर पाना मुश्किल होगा।अमेरिका और अन्य देशों में इस तरह के मामले में स्वतंत्र एजेंसी जांच करती हैं। वहां पर सरकार की कोई भूमिका नहीं होती है। अदानी समूह का व्यापार कर्ज और निवेश अंतरराष्ट्रीय स्तर पर है। इसलिए इस तरह की किसी जांच से इनकार नहीं किया जा सकता है। अदानी समूह को अंतरराष्ट्रीय जांच एजेंसियों के सामने सभी दस्तावेज जमा करने होंगे। कहा जा रहा है कि अडानी समूह ने पिछले चार-पांच वर्षों में अपने व्यापार को जिस तरीके से बढ़ाया है। जिस तरीके से अकाउंट और निवेश को लेकर गलत दस्तावेज तैयार कर गड़बड़ियां की हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक जगत के शीर्ष में पहुंचने के लिए जो दौड़ लगाई थी। उसके कारण दुनिया भर के बड़े-बड़े कॉर्पोरेट उनके पीछे पड़ गए हैं। आर्थिक जगत में इस तरह की धोखाधड़ी और कृत्रिम तरीके से शेयरों के रेट घटा-बढ़ाकर इसके पहले, कभी भी इस तरह की धोखाधड़ी नहीं हुई। बहरहाल जिस तरीके से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अदानी समूह की गड़बड़ियां सामने आई है।इसका असर निश्चित रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था में पडना तय माना जा रहा है। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार आम निवेशकों के साथ-साथ बैंक और जीवन बीमा निगम जैसी संस्थाओं को भी इस खुलासे के बाद आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है। अदानी समूह की कंपनियों में बैंकों का और भारतीय जीवन बीमा निगम का बहुत बड़ा निवेश है। अंतरराष्ट्रीय संस्था ने जिस तरह के खुलाशे किए हैं। यह प्रमाणित हो जाते हैं, तो भारतीय अर्थव्यवस्था को बहुत बड़े संकट के दौर से गुजरना पड़ सकता है।

आवारा कुत्तेः अदालत की चिंता का निकले हल

सुशील देव

जी 20 की तैयारियों को सरकार और दिल्ली प्रशासन को आवारा कुत्तों को लेकर चिंता बढ़ गई है। उनकी चिंता इस बात से भी है कि कहीं विदेशी मेहमानों के रास्ते में आकर ये कोई बाधा न बन जाएं। सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी यह ठीक नहीं होगा। आवारा कुत्तों की वजह से सड़कों पर कई तरह की समस्याएं आ सकती हैं। हालांकि सरकार और प्रशासन के स्तर पर इस बाबत संज्ञान लिया गया है परंतु आवारा कुत्ते जी-20 के इस बड़े आयोजन के लिए एक प्रकार की चुनौती तो हैं ही। चंद दिनों बाद होने वाली जी-20 की बैठकों की वजह से आवारा कुत्तों के साथ बंदर भी सरकार, प्रशासन और सिविक संस्थाओं के लिए सिरदर्द बन गया है।

दिल्ली नगर निगम और नई दिल्ली नगर पालिका परिषद ने एक तरफ जहां आवारा कुत्तों को पकड़कर कहीं दूर-दराज रखने का निर्णय लिया है, वहीं दिल्ली उच्च न्यायालय ने सरकार और सिविक संस्थाओं को फटकार लगाई है। अदालत ने पशु कानूनों की अनदेखी पर चिंता जताई और निर्देश दिया है कि आवारा कुत्तों की नसबंदी या टीकाकरण का अभियान जारी रखा जाना चाहिए। उनकी आबादी को नियंत्रित करने और उन्हें रेबीज पीड़ित होने से बचाने के लिए पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 और पशु जन्म नियंत्रण (कुत्ता) नियम, 2001 के तहत बनाए गए नियमों का अनुपालन किया जाना चाहिए।

मतलब साफ है कि इस आयोजन के निमित भी कुत्तों की संख्या कम करने के लिए लगातार नसबंदी और टीकाकरण कार्यक्रम पर बल दिया गया है। दिल्ली शहर में पिछले कुछ वर्षों में आवारा कुत्तों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। अस्पतालों में इन दिनों कुत्ते के काटने के मामले अधिक देखे जा रहे हैं। इस वजह से अस्पतालों में उसके इंजेक्शन भी कम पड़ रहे हैं यानी भयावह दर से बढ़ रही कुत्तों की संख्या से आमजन परेशान हैं। हाई कोर्ट ने इसे महत्त्वपूर्ण सार्वजनिक कार्य बताते हुए गंभीर कदम उठाने को कहा है। निःसंदेह, इससे अन्य राज्य सरकारों को भी सबक लेना चाहिए। सर्वोच्च अदालत ने इससे पहले भी कहा था कि आवारा कुत्तों को भोजन का अधिकार है और लोगों को उन्हें खिलाने का भी अधिकार है। मगर इन अधिकारों का प्रयोग करते समय यह भी ध्यान रखा जाना बहुत जरूरी है कि इससे कोई उपद्रव या उत्पीड़न ना हो। किसी की शांति में खलल न पड़े। कोर्ट ने यह भी कहा कि इन्हें सोसायटी, सड़कों या किसी सार्वजनिक स्थान पर सोच-समझकर खाना खिलाना चाहिए।

ज्ञात हो कि गली-मोहल्लों में आवारा कुत्तों का आतंक इतना बढ़ गया है कि लोगों का चलना दूभर हो गया है। बच्चे-बूढ़े या आम जन आए दिन इनके शिकार हो रहे हैं। कुत्तों के प्रति संवेदनशील होना जरूरी है। आखिर, उस बेजुबान की पालना कैसे होगी? हमें इसकी भी चिंता करनी चाहिए। मगर यह भी जरूरी है कि कुत्तों से होने वाली परेशानी से कैसे बचा जाए। पशु प्रेमियों का तर्क है कि लोगों ने ही कुत्तों को 'कटहा' या 'आक्रामक' बना दिया है। इसलिए वे हमला करते हैं। पशु प्रेमियों के पास उनके बचाव में कई प्रकार के तर्क हैं। इसलिए वे हर विरोधी तर्क को खारिज कर देते हैं। सच्चाई यह है कि इन समस्याओं के समाधान को लेकर किसी के पास कोई ठोस उपाय या जागरूकता नहीं है। तीन दिनों तक सेंट्रल दिल्ली लगभग बंद रखने की घोषणा से स्ट्रीट डॉग लवर सकते में आ गए हैं कि कैसे इन दिनों कुत्तों को खिलाया जाए। कई जगह इनके फीड प्वॉइंट्स बने हुए हैं, जहां उन्हें खाना पहुंचाने की योजना बनाई जा रही है। गोल मार्केट, मंडी हाउस, आईटीओ, कनॉट प्लेस, बंगाली मार्केट, एनजीटी, अकबर रोड या इंडिया गेट आदि में प्रायः आवारा कुत्तों को कुछ लोग नियमित भोजन देते हैं। उधर दिल्ली नगर निगम ने इस पर पुनर्विचार करते हुए कहा है कि कुत्तों को उठाना या उनकी नसबंदी करना एमसीडी के लिए नियमित कार्य है। मगर जी-20 शिखर सम्मेलन के कारण पिछली कार्ययोजना में उल्लेखित क्षेत्र से सभी कुत्तों को उठाने की कोई आवश्यकता नहीं है। इसलिए उसने अपने कार्ययोजना को वापस लेने का फैसला किया।

वहीं 'पीपुल का एनिमल्स' ने भी राजधानी की सड़कों से आवारा कुत्तों को हटाने की योजना को अवैध और अनुचित करार दिया, जबकि एक सर्कुलर जारी कर कहा गया है कि कुत्तों के लिए बड़े पैमाने पर 30 अगस्त तक नसबंदी अभियान चलेगा। दिल्ली के जिन प्रमुख जगहों से कुत्तों को उठाया जा रहा है, जी-20 की बैठकों के बाद उन्हें वहीं छोड़ दिया जाएगा। यहां कुत्ते के काटने की समस्या से ज्यादा इन दिनों इस अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजन को लेकर चिंता है, लेकिन इंसान के सबसे वफादार कहे जाने वाले जानवर का हिंसक होना भी अच्छी बात नहीं है। कई शहरों से कुत्तों के हमलों की खबर आती हैं। कभी बच्चों को शिकार बनाए जाने की खबर मिलती है तो कभी बुजुर्ग इनकी चपेट में आ रहे हैं। आखिर, कुत्ते अचानक इंसानों पर क्यों हमलावर हो रहे हैं? गंभीरता से सोचने की जरूरत है।

लड़की चिल्लाती रही, दरिंदे दुपट्टा पकड़कर घसीटते रहे

पुलिस ने 35 घंटे बाद आरोपी को पकड़ा, ट्यूशन टीचर से रेप की कोशिश की थी

लखनऊ । रक्षा बंधन पर ट्यूशन पढ़ाकर स्कूटी से लौट रही टीचर को रास्ते में 3 युवकों ने किडनैप कर लिया। स्कूटी से गिराकर घसीटते हुए सुनसान जगह ले गए। लड़की चिल्लाती रही, वह छोड़ने के लिए गिड़गिड़ाती रही। लेकिन दरिंदों का दिल नहीं पसीजा। वह उसे घसीटते रहे। इसके बाद रेप करने की कोशिश की। विरोध करने पर दोनों हाथ, पीठ और सिर पर चाकू से वार किए। हमले में युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। फिलहाल, युवती का कठव में भर्ती है। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी युवक ट्यूशन टीचर से एकतरफा प्यार करता था। कई दिनों से टीचर को परेशान कर रहा था। आरोपी घरों में पुताई का काम करता है। वह नशे का आदी है। टीचर ने भी डॉक्टर से बताया कि आरोपी उसे कई दिनों से परेशान कर रहे थे। वहीं, पुलिस ने 35 घंटे बाद एक आरोपी पंकज रावत को गिरफ्तार कर लिया है। निलमथा स्थित एक कालोनी में पूर्व सैन्यकर्मी की 20 साल की बेटी अपने परिवार संग रहती है। युवती बच्चों को ट्यूशन पढ़ाती है। रोज की तरह बुधवार शाम करीब 7 बजे ट्यूशन पढ़ाने के बाद स्कूटी से वापस घर लौट रही थी। इस बीच कॉलोनी में रहने वाले पंकज रावत और उसके दो साथियों ने उसको रोक लिया। युवती के विरोध करने पर स्कूटी से गिरा दिया। आरोपियों ने युवती को

स्कूटी से गिरा दिया और उसकी स्कूटी पंचर कर दी। इसके बाद युवती का दुपट्टा पकड़कर उसको घसीटते हुए सुनसान में ले गए। जहां युवती से रेप करने की कोशिश करने लगे। मगर, युवती चिल्लाने लगी। इसके बाद पंकज ने चाकू से उस पर हमला कर दिया। हमले में युवती के सिर, पीठ, हाथ पर घाव लगे। इसी बीच आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे। भीड़ को आता देख आरोपी वहां से फरार हो गए। युवती ने लोगों को अपने बारे में जानकारी दी। इसके बाद लोगों ने परिजनों को घटना की जानकारी दी। फिर परिजनों ने युवती को इलाज के लिए कमांड अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका कठव में इलाज चल रहा है। इधर, आरोपी पंकज ने वारदात को अंजाम देने के बाद मोबाइल बंद कर फरार हो गया। युवती के साथ हुई इस घटना से नाराज कॉलोनी के लोगों ने गुरुवार शाम पैदल मार्च निकाला। लोगों ने मांग है कि पुलिस आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे। जिससे दोबारा कोई ऐसी घटना को अंजाम देने की कोशिश न कर सके। साथ ही इलाके की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई जाए। DCP पूर्वी हृदेश कुमार के मुताबिक, युवती की मेडिकल रिपोर्ट में पांच चाकू के वार और चोट के निशान मिले हैं। जिसमें सिर, दोनों हाथ पर एक-एक और पीठ पर दो चाकू के वार किए है। युवती ने डॉक्टर को एक युवक के ही हमले की बात कही है। पिता की तहरीर पर आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज आरोपी पंकज को गिरफ्तार कर लिया है।आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

बिजनौर में दबंगों ने युवक को मारी गोलीः इलाज के दौरान मौत

संवाददाता

बिजनौर । मंडावली इलाके में आज उस वक्त हड़कम्प मच गया जब एक युवक को पास के ही रहने वाले युवकों ने मामूली विवाद के चलते गोली मार दी। गंभीर रूप से घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच में जुट गई। दरअसल यह पूरा बिजनौर के मंडावली थाना क्षेत्र का है जहां गुरुवार की देर रात उस वक्त हड़कम्प मच गया जब गांव का रहने वाला आकाश चौहान 25 वर्ष पुत्र योगेंद्र चौहान को पास के ही रहने वाले तीन युवकों ने मामूली विवाद के चलते पेट मे गोली मार दी। गंभीर रूप से घायल आकाश को अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां हालत गंभीर देखते हुए डाक्टरों ने उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया लेकिन तबीयत ज्यादा बिगड़ने पर परिजनों ने बिजनौर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक के पिता योगेंद्र चौहान ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि तीन दिन पहले उसके बेटे आकाश का झगड़ा पास के ही गांव मुससेपुर के रहने वाले अंकित पुत्र अर्जुन के साथ हुआ था। अंकित ने देर शाम मेरे पुत्र आकाश से झगड़े में फैसला करने का बहाना बनाकर उसे तुलसी की झील के पास बुलाया। अपने साथी कन्हैया पुत्र कलीराम, सुशांत पुत्र दयाराम के साथ मिलकर तीनों ने मेरे पुत्र को जान से करने की नीयत से गोली मार दी।

यूपी के आलू का विदेशों में बज रहा डंका

संस्कार उजाला

वाराणसी । उत्तर प्रदेश की उपजाऊ मिटटी की उपज लगातारे विदेशों में लोकप्रिय हो रही है। इसी का उदाहरण है अलीगढ़ का आलू जिसका स्वाद दक्षिण अमेरिका के गुयाना देश के लोग भी अब चख पाएंगे। अलीगढ़े का आलू पहली बार गुयाना गया है। स्पष्ट है कि उत्तर प्रदेश की योगी सरकार का किसानों की आय दोगुनी करने का सपना तेजी से साकार हो रहा है। किसान उद्यमी बनाने के साथ ही निर्यातक भी बन रहे है।

परिणामस्वरूप,अलीगढ़ का 29 मीट्रिक टन आलू किसानों के समूह एफपीओ के माध्यम से गुयाना के लिऐ एक्सपोर्ट हुआ है। बिचौलियों को बीच से हटाकर योगी सरकार किसानों की आय दोगुनी कर रही है किसान एफपीओ के माध्यम से एक्सपोटेर बन रहे है। वाराणसी स्थिते एपीडा के क्षेत्रीये कार्यालय के उप महाप्रबंधक डॉ सी.बी.सिंह ने बताया कि अलीगढ़ का आलू कमर्शियल तौर पर पहली बार दक्षिण अमेरिका के गुयाना गया है। 29 मीट्रिक टन आलू समुद्री मार्ग से भेजा गया है। इस खेप के लिए आलुओं की खरीद अलीगढ़ के स्थानीय एफपीओ से किया गया है एवम अलीगढ़ स्थित कोल्ड स्टोरेज में पैक किया गया है। अलीगढ़ क्षेत्र में आलू उत्पादन की संभावनाओं को देखते हुए एपीडा आलू के लिए कृषि निर्यात केंद्र स्थापित करने की तैयारी में पहल कर रही है।जिसके बाद अलीगढ और आप पास के अन्नदाताओं के साथ ही अन्य लोगों के लिए भी रोजगार के अवसर खुलेंगे। डबल इंजने की सरकार द्वारा अंतरराष्ट्रीय व्यापार की दिशा में किसानों के समूह एफपीओ को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करते हुए प्रशिक्षण ,क्षमता संवर्धन आदि कई कार्यक्रमों समय समय परे आयोजित करती रह रही है। उत्तर प्रदेश में एपीडा के सार्थक पहल के बाद, कोमालिका फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड सीधे निर्यात से जोड़ा गया है। क्षमता अवसंरचना बढ़ाने के लिए राज्य सरकारों और एफपीओ को वित्तीय सहायता का प्रावधान भी किया गया है। एपीडा देश-विशिष्ट निर्यात प्रोत्साहन कार्यक्रम के लिए रणनीति तैयार कर रहा है और नए बाजारों में निर्यात क्षमता का दोहन करने के लिए यूरोपीय संघ के देशों, मध्य पूर्व और दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के लिए अंतर्राष्ट्रीय क्रेता-विक्रेता सम्मेलन का आयोजन कर रहा है।

पुलिस को देख भागा युवक छत से गिरा, मौत

संवाददाता

बिजनौर । मारपीट के मामले में दबिश देने पहुंची पुलिस को देखकर युवक छत से गिर गया। उसे लहूलुहान हालत में पुलिसकर्मी छोड़कर भागने लगे तो लोगों ने पुलिस को दौड़ा लिया। पुलिस कर्मियों का भागते हुए वीडियो सामने आया है। आरोप है कि पुलिस ने गोली मारी है और छत से धक्का देकर गिरा दिया है। युवक की मौत से गुस्साए परिजनों ने रात को सड़क पर डेडबॉडी रखकर हंगामा करना शुरू कर दिया। सूचना पर एसपी देहात समेत कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। बमुश्किल परिजनों को समझाया। पुलिस ने जांच कर दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई का आश्वान दिया, तब जाकर मामला शांत हुआ । मामले

में एसपी नीरज कुमार जादौन ने एक दरोगा समेत 4 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया है। वारदात कोतवाली देहात क्षेत्र की रहमुल्ला कॉलोनी की है। दरअसल, कोतवाली देहात थाना क्षेत्र में गुरुवार को धामपुर थाना क्षेत्र के गांव तिबड़ी का रहने वाला शहजाद (40) पुत्र शरीफ अहमद अपने बहनोई निसार पुत्र अली हसन के यहां रहमुल्ला कॉलोनी में आया था। शाम को लगभग साढ़े 6 बजे धामपुर थाने प्राइवेट गाड़ी से एसआई अनिल, हेड कांस्टेबल मनोज कुमार, कांस्टेबल अंकित राणा और विजय मारपीट के एक मामले में शहजाद को पकड़ने के लिए दबिश देने पहुंचे। एसपी नीरज जादौन के मुताबिक, पुलिस को देख शहजाद छत की ओर भागा, पुलिस ने पीछा किया तो वो छत से गिर गया। जिससे उसकी मौत हो गई। शहजाद के छत से गिरते ही परिजनों ने पुलिस पर शहजाद को छत से फेंकने का आरोप लगाते हुए शोर मचा दिया। पुलिस कर्मी शहजाद को लहूलुहान हालत में सड़क पर ही छोड़कर मौके से भागने लगे। पुलिसकर्मियों के पीछे कुछ लोग शोर मचाते हुए दौड़े। उनका आरोप था कि पुलिस वाले गोली मारकर भाग रहे हैं। करीब 500 मीटर दौड़ने के बाद पुलिसकर्मी भागकर अपनी गाड़ी में सवार होकर मौके से फरार हो गए। इधर, शहजाद को परिजन अस्पताल ले गए लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत करार दे दिया। मौत के बाद गुस्साए परिजनों व सैकड़ों ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पानीपत-खटीमा हाईवे पर जाम लगा दिया।

इंटरनेशनल ट्रेड शो में दुनिया देखेगी 'फूड बास्केट ऑफ इंडिया' का जलवा

संस्कार उजाला

लखनऊ । देश के 'ग्रोथ इंजन' के तौर पर अपनी भूमिका को विस्तार देता उत्तर प्रदेश न केवल 'वन ट्रिलियन डॉलर' की इकॉनमी बनने की ओर तेजी से प्रयासरत है, बल्कि वैश्विक पटल पर 'फूड बास्केट ऑफ इंडिया' के तौर पर भी अपनी पहचान को भी पुख्ता कर रहा है। यही कारण है कि उत्तर प्रदेश कृषि व खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में नित नई ऊंचाइयों को छू रहा है। ऐसे में, जब 21 से 25 सितंबर के बीच ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर व मार्ट में इंटरनेशनल ट्रेड शो 2023 का आयोजन होने जा रहा है तो यह निश्चित है कि इस मेगा ट्रेड शो में फूड, डेयरी और एग्रो सेक्टर से जुड़ी व प्रदेश में व्यापक उपस्थिति रखने वाली कंपनियों को एक बड़ा मंच प्रदान किया जाएगा। इस ट्रेड शो में यूं तो पूरी दुनिया से ही सभी क्षेत्रों की तमाम दिग्गज कंपनियां हिस्सा लेंगी मगर खास तौर पर उत्तर प्रदेश में व्यापक उपस्थिति रखने वाली फूड, डेयरी व एग्रो बेस्ड कंपनियों को प्राथमिकता दी जाएगी। इससे न केवल ये कंपनियां उत्तर प्रदेश की ब्रांडिंग का हिस्सा बनेंगी बल्कि व्यापक वैश्विक बाजार तक इन कंपनियों के प्रोडक्ट्स की पहुंच का मार्ग भी प्रशस्त हो सकेगा। इस मेगा ट्रेड शो में एग्रो, फूड व डेयरी बेस्ड जिन कंपनियों की व्यापक उपस्थिति रहने वाली हैं उनमें पतंजली, हल्दीराम, प्रिया गोल्ड, बिकानेरवाला, वैद्यनाथ, रिचुअल फूड्स, फ्रेश फूड्स, ऑगस्टिया फूड्स, इंडियन बी कीपर श्री गिरिजा, पारस, अमूल, प्राइम फूड्स, ज्ञान डेयरी, क्रीमी फूड फेयर एक्सपोर्ट व अन्य प्रमुख हैं। इसके अतिरिक्त खाद्य, कृषि व डेयरी उत्पादों से संबंधित ग्रामीण, लघु व कुटीर उद्योगों को भी ट्रेड शो में प्राथमिकता दी जाएगी। इसके अतिरिक्त, खाद्य प्रसंस्करणों से जुड़े विभागों, लॉजिस्टिक्स-वेयरहाउसिंग, पशुपालन, मत्स्य पालन, डेयरी व अन्य प्रमुख विभागों से संबंधित स्टॉल्स भी ट्रेड शो में व्यापक उपस्थिति दर्ज कराएंगे। इनमें से कई ने अभी से अपने स्टॉल्स को बुक करा लिया है जबकि कई अन्य संबंधित प्रक्रियाओं को अंतिम रूप देने में लगे हुए हैं। इसके अलावा, ओडीओपी समेत खाद्य प्रसंस्करण से जुड़ी जीआई टैगिंग प्राप्त प्रोडक्ट्स को भी बड़े स्तर पर ट्रेड शो में शोकेस किया जाएगा। खास बात यह है कि इस ट्रेड शो में चाहें बात परोसी जाने वाली कुजीन्स की हो या फिर मैनेजमेंट फंडे की, फूड हर जगह छाया रहेगा। ट्रेड शो में डिग्नीट्रीज को जो पकवान परोसे जाएंगे उनमें उत्तर प्रदेश की विरासत और श्रीअन्न का गुणवत्तापरक स्वाद मुख्य भूमिका निभाएंगे। प्रदेश के उन भोज्य पदार्थों को ट्रेड शो में आने वाले लोगों को परोसा जाएगा जो उत्तर प्रदेश की पहचान हैं। इसके अलावा, यहां आयोजित होने वाले सेशंस में एक सेशन तो केवल मुंबई के डिब्बेवालों की सक्सेस जर्नी को ही समर्पित है। आईईएमएल के डॉ. पवन अग्रवाल मुंबई के डिब्बावालों की सक्सेस जर्नी, उनकी लॉजिस्टिकल सप्लाई मैनेजमेंट, सप्लाई चेन व टाइम मैनेजमेंट के प्रिंसिपल्स से जुड़े फैक्टर्स व केस स्टडी साझा करेंगे। इससे सेशन में शामिल होने वाले लोगों को डिब्बेवालों के उदाहरण के जरिए मैनेजमेंट फंडा के कई अहम तथ्य सीखने को मिलेंगे।

संक्षिप्त डायरी

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा 2 निरीक्षकों के कंधो पर स्टार लगाकर उत्साहवर्धन किया गया

संस्कार उजाला

बुलन्दशहर । निरीक्षक के पद से क्षेत्राधिकारी के पद पर पदोन्नत हुए 2 निरीक्षकों को उपयुक्त पाते हुए शासन द्वारा अनुमोदित किए जाने के फलस्वरूप पदोन्नति प्रदान की गयी है।1 सितंबर को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बुलन्दशहर श्री श्रोक कुमार व अपर पुलिस अधीक्षक नगर श्री सुरेन्द्र नाथ तिवारी द्वारा पुलिस कार्यालय में निरीक्षक पद से क्षेत्राधिकारी पद पर पदोन्नत होने वाले निरीक्षकों के कंधो पर स्टार लगाकर बधाई व शुभकामनाएं दी गयी एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गयी। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी शिकारपुर श्री वरुण कुमार सिंह एवं क्षेत्राधिकारी यातायात श्रीमती पूर्णिमा सिंह मौजूद रही।निरीक्षक श्री संजीव कुमार शर्मा, पीआरओ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बुलन्दशहर। निरीक्षक मुनेन्द्रपाल सिंह प्रभारी निरीक्षक थाना पहासू।

हापुड़ जिलाधिकारी प्रेरणा शर्मा अधिवक्ताओं के प्रकरण में दोनों पक्ष से करेंगी मुलाकात

संस्कार उजाला, तेजवीर सिंह

हापुड़। डीएम प्रेरणा शर्मा द्वारा कल यानी गुरुवार को जानकारी दी गई कि वकीलों के प्रकरण में शासन द्वारा गठित एसआईटी के अध्यक्ष व सदस्यों द्वारा मेरठ रोड स्थित सिंचाई विभाग के गेस्ट हाउस में एक सितंबर की सुबह 11 बजे सभी पक्ष के लोगों से मुलाकात की जाएगी घटना के संबंध में किसी भी व्यक्ति द्वारा घटना से संबंधित साक्ष्य समिति को उपलब्ध कराए जा सकते हैं।

महिला का डेबिट-कार्ड बदलकर 1 लाख 12 हजार की धोखाधड़ी

संवाददाता

बिजनौर । चांदपुर में डेबिट कार्ड बदलकर महिला को 1 लाख 12 हजार रूपए का चूना लगाने का मामला सामने आया है। अज्ञात धोखेबाज ने एटीएम मशीन से कार्ड निकालने के बहाने डेबिट कार्ड बदल दिया। महिला के डेबिट कार्ड से तीन बार में रकम निकाली गई। महिला ने जब अपने खाते से ओनलाइन पेमेंट ट्रांसफर की तब अकाउंट से रकम निकालने का पता चला। महिला ने पुलिस से कानूनी कार्यवाही की गुहार लगाई है। मामला बिजनौर जिले के चांदपुर थाना क्षेत्र का है जहां गांव स्याऊ निवासी महिला अरुणा बाला पत्नी विपिन कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका एसबीई बैंक ब्रांच स्याऊ में खाता संचालित है 11/7/23 को शाम 6:47 पर मेरी पुत्री पूर्णिमा चौहान ने 8 हजार रूपए निकाले थे इस दौरान उनका कार्ड मशीन में फंस गया। इस दौरान मेरी पुत्री के पीछे खड़े व्यक्ति ने धोखाधड़ी से एटीएम बदल दिया तथा 11/7/23 को उस व्यक्ति ने 32 हजार रूपए व 12/7/23 को उस व्यक्ति ने 40 हजार रुपए व 13/7/23 को उस व्यक्ति ने 40 हजार रूपए निकाल लिए । 14/7/23 को मेरी पुत्री ने उसी अकाउंट से गूगल पे से 60 हजार रूपए दूसरे अकाउंट में जमा करें तब उसे इस धोखाधड़ी का पता चला। जिसके तूरंत बाद हमनें एटीएम कार्ड को ब्लॉक करा दिया। एटीएम कार्ड बदले से हमारे पास आया है। नाम इन्शाद खान लिखा हुआ है। हमारे साथ हुई इस धोखाधड़ी की जांच कर कार्यवाही करें।

मुख्यमंत्री ने उ0प्र0 ग्रीन हाइड्रोजन नीति-2023 के सम्बन्ध में प्रस्तुतिकरण का अवलोकन किया

● ग्रीन हाइड्रोजन नीति को लेकर यूपीनेडा भारत सरकार की नीति का गहन अध्ययन कर प्रभावी नीति तैयार करे : मुख्यमंत्री ● ग्रीन हाइड्रोजन एक स्वच्छ ऊर्जा एवं औद्योगिक ईंधन होने के कारण नेट जीरो के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायक ● ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में ग्रीन हाइड्रोजन क्षेत्र में इकाइयां स्थापित करने के लिए प्रदेश को 20 कम्पनियों से 2.73 लाख करोड़ रु0 के निवेश प्रस्ताव मिले, इससे 60,000 से अधिक नौकरी के अवसर सृजित होंगे ● ग्रीन हाइड्रोजन एनर्जी पर काम करने वाली फर्मों को ज्यादा से ज्यादा इन्सेंटिव देकर प्रोत्साहित करना आवश्यक, इसके दृष्टिगत नीति को शीघ्र अन्तिम रूप देते हुए लागू किया जाए

संस्कार उजाला

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज यहां अपने सरकारी आवास पर उत्तर प्रदेश ग्रीन हाइड्रोजन नीति-2023 के सम्बन्ध में एक प्रस्तुतिकरण का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में काम करने वाले स्टेक होल्डर से भी सुझाव प्राप्त किए जाएं, ताकि नीति के तहत निवेशकों और उपयोगकताओं को इसका ज्यादा से ज्यादा लाभ मिल सके। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि ग्रीन हाइड्रोजन एक स्वच्छ ऊर्जा एवं औद्योगिक ईंधन होने के कारण नेट जीरो के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायक सिद्ध होगा। ऐसे में ग्रीन हाइड्रोजन नीति को लेकर यूपीनेडा भारत सरकार की नीति का गहन अध्ययन कर एक प्रभावी नीति तैयार करे। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि ग्रीन हाइड्रोजन के निर्माण में

पानी का महत्वपूर्ण योगदान रहता है।

समृद्ध जल संसाधन के साथ उत्तर प्रदेश में अनेक छोटी-बड़ी नदियां हैं। इसका फायदा उठा कर हम देश के सबसे बड़े ग्रीन हाइड्रोजन निमार्ता बन सकते हैं। उन्होंने इस सम्बन्ध में यूपीनेडा को सिंचाई विभाग के साथ समन्वय बनाते हुए प्रदेश की छोटी-बड़ी नदियों के पास रिजर्व वायर बनाकर बरसात के पानी का उपयोग ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन में किए जाने पर बल दिया। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राज्य सरकार यू0पी0 ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 के सभी निवेश प्रस्तावों को ईमानदारी से लागू करने के लिये प्रतिबद्ध है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में ग्रीन हाइड्रोजन क्षेत्र में इकाइयां स्थापित करने के लिए प्रदेश को 20 कम्पनियों से 2.73 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। इससे 60,000 से अधिक लोगों के लिए नौकरी के अवसर सृजित होंगे।

ग्रीन हाइड्रोजन एनर्जी पर काम करने वाली फर्मों को ज्यादा से ज्यादा इन्सेंटिव देकर प्रोत्साहित करना आवश्यक है। इसके दृष्टिगत जल्द से जल्द ग्रीन हाइड्रोजन नीति को अन्तिम रूप देते हुए इसे लागू किया जाए। मुख्यमंत्री जी ने अधिकारियों से कहा कि वह ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में निवेश को आकर्षित करने के लिए रिफॉर्म के लिए तैयार रहें। इसके लिए प्रदेश में हर स्तर पर निवेशकों के लिये सभी द्वार खोलने होंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में प्राकृतिक गैस का उपयोग कर उत्पादित की जा रही ग्रे हाइड्रोजन की तुलना में ग्रीन हाइड्रोजन की उत्पादन लागत अधिक है।

अतः ग्रीन हाइड्रोजन परियोजनाओं को गति प्रदान करने हेतु प्रारम्भिक अवस्था में विभिन्न प्रोत्साहन प्रदान किया जाना आवश्यक एवं औचित्यपूर्ण है। यू0पी0 ग्रीन हाइड्रोजन नीति-2023 के ड्राफ़्ट में विकास और रोजगार को बढ़ावा देने के साथ-साथ कार्बन उत्सर्जन रहित एवं जलवायु परिवर्तन लक्ष्यों का ध्यान रखा जाए। ग्रीन हाइड्रोजन/अमोनिया उत्पादन, बाजार निर्माण और मांग एकत्रीकरण को बढ़ावा देने पर विशेष फोकस किया जाए, जिससे प्रदेश में ग्रीन हाइड्रोजन/अमोनिया अर्थव्यवस्था बनाने के लिए अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र तैयार हो सके।

चाकू से गोदकर युवक को उतारा मौत के घाट, जांच में जुटी पुलिस

नई दिल्ली। दिल्ली के हर्ष विहार में एक युवक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान सलमान उम्र 25 वर्ष पुत्र रौनक के रूप में हुई है, जो यूपी के बुलंदशहर के ग्राम लखावटी का रहने वाला था। युवक के पेट में चाकू के कई घाव हैं। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच जुट गई है। जानकारी के मुताबिक, मृतक मीत नगर फाटक, ज्योति नगर के पास पानी की रेडी चलाता था। रात करीब साढ़े 10 बजे उनकी मां से बात हुई। इसके बाद उनसे संपर्क नहीं हो सका। उसका फोन और वॉलेट गायब है। उनकी पत्नी और बेटा गांव में रहते हैं।

डीसीडब्ल्यू ने एसिड अटैक पीड़िता का दिल्ली के एक कॉलेज में कराया दाखिला

नई दिल्ली। गाजियाबाद । तहसील सदर गाजियाबाद परिसर में अधिवक्ता के दिन दहाड़े गोली मारकर हत्या करने के मामले का गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में मरने वाले अधिवक्ता के जीजा, उसके छोटे भाई एवं दोस्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने हत्या का कारण पूरी तरह से पारिवारिक रंजिश के कारण सुनियोजित ढंग से हत्या करना बताया है। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त तमंचा तथा जिस गाड़ी में यह लोग पुलिस से बचने के लिए घूम रहे थे उसको बरामद कर लिया है। वह गाड़ी भी बरामद कर ली गयी है जिसमे ये तहसील पहुंचे थे। आरोपित जीजा भी अधिवक्ता है जो नोएडा में प्रैक्टिस करता है।पुलिस संयुक्त आयुक्त दिनेश कुमार पी. ने गुरुवार को पुलिस लाइन में प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि गिरफ्तार तीनों आरोपितों को अदालत में पेश किया गया जहां से सभी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि बुधवार को अपराह्न करीब 1:45 बजे अधिवक्ता मोनू उर्फ मोनू चौधरी की उस समय गोली मार कर हत्या कर दी गई थी जब वह खाना खा रहे थे।

पुलिस ने हत्याकांड के बाद और रिपोर्ट दर्ज होने के बाद मामले की जांच पड़ताल की और आज मोनू उर्फ मनोज चौधरी के जीजा अमित डागर उसके छोटे भाई नितिन डागर और दोस्त अनुज उर्फ पालू को गिरफ्तार कर लिया। नितिन और अमित चिरंजीव विहार में रहते हैं जबकि तीसरा अभियुक्त अनुज उर्फ पालू मधुबन बापूधाम में रहता है। बुधवार दोपहर अमित एवं नितिन और अनुज ब्रेजा गाड़ी से तहसील पहुंचे और दो लोग मोनू चौधरी के चेंबर के बाहर खड़े रहे जबकि तीसरी नितिन कुमार ने कनपटी से सटकर मोनू उसे मनोज की गोली मारकर हत्या कर दी और फरार हो गए।

पुलिस संयुक्त आयुक्त ने बताया कि इस हत्याकांड का कारण पूरी तरह से पारिवारिक रंजिश रहा है। मोनू और मनोज चौधरी के पिता यूपी पुलिस में सब इंस्पेक्टर थे और गाजियाबाद में भी तैनात रहे हैं। मनोज उनका इकलौता बेटा था। मोनू की बहन सरिता की शादी 2001 में चिरंजीव विहार निवासी अमित डागर के साथ हुई थी। सरिता को उसे एक बेटा और बेटी भी हुए। इस दौरान अमित ने दो संपत्ति भी सरिता डागर के नाम खरीदी थी। एक संपत्ति चिरंजीव विहार में जबकि दूसरी दुहाई में है, जिनकी कीमत लाखों में है।

डीसीडब्ल्यू ने एसिड अटैक पीड़िता का दिल्ली के एक कॉलेज में कराया दाखिला

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) ने एक एसिड अटैक पीड़िता का दिल्ली के एक प्रमुख विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेज में दाखिला करवाया। 14 दिसंबर 2022 को दिल्ली के द्वारका इलाके में एक 17 साल की लड़की स्कूल जा रही थी तभी दो बाइक सवारों ने उस पर एसिड फेंक दिया।

इस संबंध में एफआईआर दर्ज की गई थी। लड़की एसिड अटैक के कारण अस्पताल में भर्ती रही थी। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया था। डीसीडब्ल्यू ने लड़की से मुलाकात की और उसका सहयोग करने के लिए लगातार परिवार के संपर्क में रहा। लड़की एक उत्कृष्ट छात्रा है। उसने अपने ऊपर हुए हमले को अपनी पढ़ाई के आड़े नहीं आने दिया। उसने कड़ी मेहनत की और अपनी सभी परीक्षाएं उत्तीर्ण कीं। हाल ही में डीसीडब्ल्यू को पीड़िता से दिल्ली के एक प्रमुख विश्वविद्यालय में प्रवेश के संबंध में शिकायत मिली। लड़की ने बताया कि उसे दिल्ली के एक अग्रणी विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेज में एक प्रतिष्ठित कार्यक्रम में प्रवेश के लिए चुना गया था। कॉलेज में उसका प्रवेश रद्द कर दिया गया था क्योंकि वह अपना ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र समय पर प्रस्तुत नहीं कर सकी थी।

जी-20 शिखर के लिए 'बुलेटप्रूफ' हुई दिल्ली, 'मेहमानों' के आने-जाने पर कमरों में बंद कर दिया जाएगा होटल स्टाफ

नई दिल्ली। नई दिल्ली, राकेश कुमार सिंह। जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आने वाले 29 देशों के राष्ट्राध्यक्षों व अंतरराष्ट्रीय संगठनों के पदाधिकारियों की सुरक्षा की तैयारी में सभी केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियां व दिल्ली पुलिस की सुरक्षा यूनिट दिन-रात एक करके जुटी हुई है।

अमेरिकी राष्ट्रपति समेत कुछ राष्ट्राध्यक्षों के कमरे हुए बुलेटप्रूफ

सम्मेलन में भाग लेने आने वाले अमेरिका आदि कुछ प्रमुखों देशों के राष्ट्राध्यक्ष जिन होटलों में ठहरेंगे वहां के सुइट की सभी खिड़कियों में बुलेटप्रूफ शीशे लगा दिए गए हैं। साथ ही उस एरिया के कुछ हिस्सों को भी बुलेटप्रूफ शीशों से घेराव कर दिया गया है।

सुरक्षा में कहीं कोई चूक न हो इसके लिए सुरक्षा यूनिट ने सभी केंद्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर पूरी क्षमता के साथ रिहर्सल शुरू कर दी है। बृहस्पतिवार को रिहर्सल के दौरान ही एनएसजी ने नई दिल्ली जिले स्थित ली मेरिडियन होटल की छत पर सुबह करीब 11.30 बजे हेलीकॉप्टर उतारा।

हर होटल पर नहीं बना है हेलीपैड

पुलिस अधिकारी का कहना है कि नई दिल्ली के किसी भी होटल की छत पर हेलीपैड नहीं बने हैं। ट्रायल के तौर पर एनएसजी ने ली मेरिडियन की छत पर हेलीकॉप्टर उतारा। पुलिस अधिकारी का कहना है कि एनएसजी कुछ अन्य होटलों पर भी हेलीकाप्टर उतारने का प्रयास करेगी।

होटल के पुराने कर्मियों को नहीं हटाया जाएगा

जिन 23 होटलों में राष्ट्राध्यक्ष व अंतरराष्ट्रीय संगठनों के पदाधिकारी ठहरेंगे उन होटलों में होटल प्रबंधन ने निजी सुरक्षा गार्ड से लेकर अन्य तरह के करीब 20-30 प्रतिशत कर्मचारी बढ़ा दिए हैं। होटलों में काम करने वाले

पुराने कर्मी जो होटलों में रहते हैं, उन्हें नहीं हटाया जाएगा। उन्हें अच्छी तरह से ब्रीफ कर दिया गया है। जिस वक्त होटलों में राष्ट्राध्यक्ष व अंतरराष्ट्रीय संगठनों के पदाधिकारी आवागमन करेंगे उस दौरान कर्मचारियों को कमरे के अंदर बंद कर दिया जाएगा। सुरक्षा कारणों से उन्हें बाहर नहीं निकलने दिया जाएगा।

आज से शुरू हो जाएगी होटल नियंत्रण में लेने की प्रक्रिया

पुलिस अधिकारी का कहना है कि पिछले 15 दिनों से सभी एजेंसियां अपने-अपने स्तर पर होटलों का निरीक्षण कर रही हैं। स्थानीय पुलिस की तैनाती कर दी गई है। शुक्रवार से सुरक्षा यूनिट धीरे-धीरे सभी 23 होटलों को अपने कब्जे में लेना शुरू करेगी। दो तीन दिनों के अंदर सभी होटलों को कब्जे में ले लिया जाएगा।

होटलों के अंदर व बाहर मल्टी एजेंसियों की तैनाती रहेगी। सभी होटलों में एनएसजी की भी तैनाती रहेगी। सभी होटलों की छतों पर एंटी एयरक्राफ्ट गन रखी जाएगी। एंटी ड्रोन सिस्टम पहले ही लगा दिए गए हैं। छतों पर पैरा मिलिट्री के कमांडो दूरबीन व अत्याधुनिक हथियारों के साथ तैनात रहेंगे।

हर होटल में एक-एक डीसीपी की रहेगी राउंड द क्लॉक तैनाती

सभी होटलों में एक-एक डीसीपी की 24 घंटे राउंड द क्लॉक तैनाती रहेगी। उन्हें वेन्यू कमांडर नाम दिया गया है। होटलों में मल्टी एजेंसियों की अलग-अलग तरह की सुरक्षा रहेगी, जिससे किसी भी तरह के हमले को रोका जा सके। सभी दूतावासों की सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है। क्योंकि बड़ी संख्या में विभिन्न देशों के मंत्री आदि दूतावास में भी ठहर सकते हैं। चाणक्यपुरी व धौलाकुआं इलाके की सुरक्षा भी बेहद कड़ी कर दी गई है क्योंकि इन इलाकों में अधिकतर दूतावास हैं।

सेना-पुलिस और अर्ध सैनिक बलों का चल रहा संयुक्त अभ्यास

होटल ली मेरिडियन की छत पर हेलीकाप्टर की लैंडिंग और टेक-आफ का अभ्यास करने के पीछे उद्देश्य यह है कि बंधक या अन्य आपात स्थिति में वहां ठहरे लोगों को आसानी से निकाला जा सके। सुरक्षा तैयारियों की जांच करने के मकसद से प्रगति मैदान, एयरोसिटी, रायसीना रोड और अन्य प्रमुख स्थानों पर दिल्ली पुलिस, भारतीय वायु सेना और केंद्रीय अर्धसैनिक बलों का संयुक्त अभ्यास चल रहा है। ली मेरिडियन के अलावा, हयात, द लोधी, शेरेटन, द ललित, द इंपीरियल, द क्लेरिजेस, होटल शांगरी-ला, द लीला पैलेस, द ओबेराय, द ग्रैंड, रेडिसन ब्लू, आइटीसी मौर्य, ताज पैलेस और ताज महल होटल में विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

राजधानी दिल्ली फिर शर्मसार: 85 साल की बुजुर्ग के साथ दुष्कर्म, स्वाति मालीवाल बोलीं- घाव देख कांप गई रूह

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में इन दिनों जी-20 समिट को लेकर सुरक्षा चाक-चौबंद है। इसके बाद भी यहां इंसानियत को तार-तार कर देने वाला मामला सामने आया है।

दिल्ली के शकरपुर इलाके में झग्गी में घुसकर 85 साल की बुजुर्ग महिला के साथ दरिंदगी की गई है। दिल्ली महिला आयोग की प्रमुख स्वाति मालीवाल ने घटना को लेकर ट्वीट किया है। साथ ही उन्होंने पुलिस को नोटिस जारी करते हुए कार्रवाई की मांग की है।

स्वाति मालीवाल ने अपने ट्विटर (एक्स) अकाउंट से ट्वीट करते हुए लिखा, %आज दिल्ली में इंसानियत तार-तार हो गई। शकरपुर में सुबह चार बजे 85 साल की अम्मा के साथ उनकी झुग्गी में घुसकर दुष्कर्म

किया गया। उनसे मिलके घाव देखकर रूह कांप गई। 8 महीने की बच्ची या 85 साल की अम्मा, सब हैवानियत के शिकार हैं। उन्होंने कहा है कि पुलिस को नोटिस जारी कर गिरफ्तारी की मांग रखी है'।

हमारा सिस्टम बिल्कुल फेल: स्वाति मालीवाल

स्वाति मालीवाल ने आगे लिखा है, अम्मा के आंसू नहीं रुक रहे थे। हमारा सिस्टम बिलकुल फेल है। कोई सुरक्षित नहीं है। आज ये अम्मा हैं, कल आप, मैं कोई भी हो सकता है। बेशर्मी की सारी हदें पार हो गईं।

दरिंदे ने ब्लेड से होंठ काटा- स्वाति

स्वाति ने कहा कि 85 साल की दादी को मिलके सकपका गई हूं।

उन्हें बहुत चोटें आयी हैं और बहुत दर्द है। ब्लेड से ज़ालिम ने उनका होंठ तक काटा है। शरीर के सब अंग पे चोटें हैं। अंदरूनी भी बहुत चोट आई हैं। कोई ये घिनौना काम कैसे कर सकता है? कैसे समाज में जीते हैं हम? ऐसे आदमी के ख़िलाफ़ कोई भी सज़ा कम है।

हिंडनबर्ग रिपोर्ट 2.0 से ध्यान भटकाने वाली डिबेट 'वन नेशन वन इलेक्शन' :आप मंत्री

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने शुक्रवार को 'वन नेशन वन इलेक्शन' पर केंद्र के कदम का विरोध करते हुए कहा कि यह सिर्फ ध्यान भटकाने के लिए है। दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि यह और कुछ नहीं बल्कि हिंडनबर्ग रिपोर्ट 2.0 के असली मुद्दे से ध्यान

भटकाने का तरीका है। मैं पूरी तरह से आश्वस्त हूं कि यह हिंडनबर्ग रिपोर्ट 2.0 के वास्तविक मुद्दे से ध्यान हटाने के लिए सिर्फ एक डिबेट है। भारद्वाज ने कहा, केंद्र सरकार इंडिया ब्लॉक की बढ़ती लोकप्रियता और पदचिह्नों से डरी हुई है और इस सत्र में समय से पहले चुनाव कराने पर जोर दे सकती है। केंद्र की बीजेपी सरकार अपने 'वन नेशन वन इलेक्शन' एजेंडे के साथ एक कदम और आगे बढ़ने जा रही है। सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया।

दिवाली पर पटाखों को लेकर सुप्रीम कोर्ट सख्त, नियामक संस्थाओं से मांगे जवाब; 13 सितंबर को सुनवाई

नई दिल्ली। दीपावली के करीब दो महीने पहले सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर केंद्र सरकार और नियामक संस्थाओं जैसे पेट्रोलियम एंड एक्सप्लोसिव सेफ्टी (पेसो) से जवाब तलब करते हुए पूछा है कि वह देशभर में प्रदूषणकारी पटाखों के उत्पादन और बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के प्रोटोकाल को मजबूत करने के लिए क्या कदम उठाए हैं।

समाचार एजेंसी खबर के मुताबिक, सर्वोच्च अदालत ने कहा कि अगर नियमों को लागू नहीं किया जाता है तो वह मजाक बनकर रह जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट इस मामले में अगली सुनवाई 13 सितंबर को करेगा। जस्टिस एएस बोपन्ना और एमएम सुंदरेश की खंडपीठ ने गुरुवार को केंद्र सरकार और नियामक संस्थाओं की ओर से पेश अतिरिक्त सालिसिटर जनरल ऐश्वर्य भाटी से कहा कि वह प्रतिबंधित पटाखों पर पूर्ण रोक लागू किए जाने के संबंध में अब तक उठाए गए कदमों का ब्योरा दें। यह मामला मजाक बनकर रह जाएगा

अगर कोई ऐसी व्यवस्था न हो कि निर्माताओं और विक्रेताओं को दिशानिर्देशों का पालन करने के लिए विवश न कर दिया जाए। कुछ पटाखा निर्माताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने कहा कि विशेषज्ञ निकायों जैसे पीसो, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) और नेशनल इन्वायरमेंटल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट (नीरी) ने ग्रीन पटाखों के मुद्दे पर ठोस कदम उठाए हैं और अब केवल क्वालिटी कंट्रोल के मुद्दे को सुलझाना रह गया है। विशेषज्ञ संस्थाओं ने दिशानिर्देश जारी किए हैं और प्रदूषणरहित पटाखों के रासायनिक फार्मूले को भी जारी किया है। और अब पीसो को उत्पादन और बिक्री की निगरानी की अनुमति दी जाएगी। बेरियम साल्ट के मुद्दे पर वरिष्ठ वकील ने कहा कि विश्वभर में पटाखे बनाने में इसका उपयोग होता है और भारत में भी पटाखा निर्माता इसके इस्तेमाल को लेकर सहमत हो गए हैं। वह इसकी प्रभावी निगरानी के लिए तमिलनाडु के शिवाकाशी में एक लैब बनाने पर भी सहमत हैं।

एक अन्य वकील ने कहा कि इस व्यवसाय से आठ लाख लोगों को रोजगार मिलेगा। पीसो जैसे संस्थान ने ग्रीन पटाखों के संबंध में कई कदम उठाए हैं। इस पर खंडपीठ ने एडीशनल सालिसिटर जनरल से पूछा कि वह नियामक प्रोटोकाल के पालन के लिए अब तक उठाए गए कदमों का ब्योरा दें।

दिल्ली में जी20 के लिए व्यवस्था के प्रयासों का उपराज्यपाल कर रहे नेतृत्व: केजरीवाल

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को कहा कि दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) अपने मंत्रियों के साथ जी20 मेहमानों के स्वागत की व्यवस्था करने के प्रयासों का नेतृत्व कर रहे हैं। केजरीवाल ने एक्स पर पोस्ट किया, जी20 मेहमानों के स्वागत के लिए सभी इंतजाम किए गए हैं। सभी मंत्री खुद मैदान पर हैं। माननीय एलजी खुद प्रयासों का नेतृत्व कर रहे हैं। दोनों के बीच कटु संबंधों और कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर हालिया विवाद को देखते हुए केजरीवाल की पोस्ट एक आश्चर्य के रूप में सामने आई है। जी20 शिखर सम्मेलन 9-10 सितंबर को होने वाला है।

दिल्ली सरकार ने जी-20 के मद्देनजर दिल्ली को हरा-भरा करने के लिए अब तक लगाए 36 लाख पौधे

नई दिल्ली। दिल्ली के वन एवं पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बुधवार को प्रेसवार्ता कर कहा कि जी-20 सम्मलेन से पहले दिल्ली सरकार द्वारा दिल्ली को हरा भरा करने के लिए इस साल 36 लाख से ज्यादा पौधे लगाए जा चुके हैं। इस साल 52 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए 21 विभागों की हरित एजेंसियो द्वारा पौधारोपण किया जा रहा है और अबतक 70 प्रतिशत वृक्षारोपण का लक्ष्य प्राप्त किया जा चुका है। दिल्ली को हरा-भरा करने के लिए वन विभाग द्वारा गमले वाले पौधे दिल्ली के विभिन्न सड़कों पर लगाए जा रहे हैं। वन विभाग द्वारा दिल्ली की सड़कों को 2.5 लाख गमले, फूल / पत्ते वाले पौधों से सजाया जा रहा हैं। इसमें से 1 लाख 80 हज़ार गमले दिल्ली के अलग अलग सड़कों पर लगाए जा चुके हैं, बाकी गमलों में फूल वाले पौधे सितंबर के पहले सप्ताह में लगा दिए जायेंगे, ताकि जी-20 शिखर

सम्मेलन के दौरान पौधे पूरी तरह खिल सकें।

गोपाल राय ने बताया कि वन विभाग द्वारा दिल्ली के धौलाकुआं से मेहराम नगर, मेहराम नगर से एयरपोर्ट के टेक्निकल एरिया, टेक्निकल एरिया से थीमाया सड़क/परेड सड़क, भैरों मार्ग, भैरों मार्ग से दिल्ली गेट, दिल्ली गेट से राजघाट, राजघाट से आईटीओ से भैरों मार्ग आदि। इसके अलावा गमले एनडीएमसी, पीडब्ल्यूडी और दिल्ली हाट को सजा दिए गए है। उन्होंने बताया कि वन विभाग द्वारा विभिन्न प्रकार के फूल वाले पौधे भी सड़कों पर लगाए जा रहे है। इसमें मेरीगोल्ड,जाफरी, विंका, इक्सोरा, मउसानदा, कुल्फ़ा, पोर्टुलका, टेकोमा, चांदनी, हिबिसकस, जास्मिन आदि शामिल हैं। साथ ही वन विभाग द्वारा विभिन्न प्रकार के पत्तेदार पौधे भी लगाए जा रहे है। उसमे ऐरेका पाम, रफीस पाम, फायकस पांडा, फायकस बेंजमिना, टपिओका, सांग ऑफ़ इंडिया, कोचीए, मौलश्री, फन पाम, सिंगोनियम आदि शामिल हैं। आगे गोपाल राय ने बताया कि वन विभाग का काम सिर्फ गमले रखवाना ही नहीं है, बल्कि उनमें लगे पौधों और फूलों को तरोताज़ा भी बनाए रखना है। इसके लिए सभी संभव उपाय किए जा रहे हैं और गमलों को कोई क्षति न पहुंचे, इसका भी पूरा ध्यान दिया जा रहा है। इसके लिए वन विभाग की टीम लगातार निगरानी कर रही है। गमलों के रखरखाव और उसके प्लेसमेंट की निगरानी के लिए 300 अधिकारियों, कर्मचारियों और श्रमिकों को लगाया गया हैं।

वन मंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार की ओर से उठाए गए तमाम उपायों के परिणाम स्वरूप दिल्ली के अंदर हरित क्षेत्र (ग्रीन कवर) में काफी इजाफा देखा गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने दो मतदाताओं की हत्या मामले में राजद सांसद प्रभु नाथ सिंह को दी उम्रकैद की सजा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के पूर्व सांसद प्रभुनाथ सिंह को 1995 में उनके खिलाफ बिहार के छपरा में मतदान करने के कारण एक मतदान केंद्र के पास दो लोगों की गोली मारकर हत्या करने के मामले में दोषी ठहराते हुए शुक्रवार को उम्रकैद की सजा सुनाई।

न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की पीठ ने मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये और घायलों को पांच लाख रुपये का मुआवजा देने का भी आदेश दिया।

पीठ ने सजा सुनाने के बाद कहा, 'हमने ऐसा पहले कभी नहीं देखा।' पीठ ने दोषी पूर्व सांसद सिंह की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता ए एम सिंघवी और आर बसंत की दलीलें सुनने के बाद कहा, 'एकमात्र विकल्प आजीवन कारावास या मौत की सजा है।' पीठ के समक्ष सिंह के अधिवक्ता ने कहा कि उन्होंने सजा के फैसले के खिलाफ समीक्षा याचिका दायर की है।

इस पर पीठ ने कहा कि उनकी याचिका पर नियमानुसार उचित समय पर चैंबर में विचार किया जाएगा।

शीर्ष अदालत ने पटना उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर यह फैसला सुनाया। पीड़ित के परिवार के सदस्य हरेंद्र राय ने 02 दिसंबर 2021 के उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ अपील की थी, जिसने निचली अदालत के 24 अक्टूबर 2008 के फैसले को बरकरार रखा था। निचली अदालत ने सिंह और छह अन्य को 18 वर्षीय राजेंद्र राय और 47 साल के दरोगा राय की हत्या से संबंधित सभी आरोपों से बरी कर दिया गया था।

गौरतलब है कि पूर्व सांसद सिंह पहले से ही एक अन्य हत्या मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है।

सितंबर में छठा राष्ट्रीय पोषण माह

नई दिल्ली। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय सितंबर में देशभर में छठा राष्ट्रीय पोषण माह मनायेगा।

मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को यहां बताया कि एक महीने तक चलने वाले इस कार्यक्रम में विशेष स्तनपान और पूरक आहार के प्रमुख विषयों पर ध्यान केंद्रित करने वाले अभियानों के माध्यम से जमीनी स्तर पर पोषण संबंधी जागरूकता बढ़ाने के लिए देश भर में केंद्रित प्रयास किए जाएंगे। स्वस्थ बालक प्रतिस्पर्धा (स्वस्थ बाल प्रतियोगिता) जैसी गतिविधियों का उद्देश्य पोषण और समग्र कल्याण के लिए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा करना है। पोषण भी पढाई भी - पोषण के साथ-साथ शिक्षा , मिशन लाइफ (पर्यावरण के लिए जीवन शैली) के माध्यम से पोषण में सुधार, जनजातीय-केंद्रित पोषण संवेदीकरण, और परीक्षण, उपचार, बातचीत के माध्यम से एनीमिया को संबोधित करना शामिल होगा। इसके अतिरिक्त, पोषण माह के तहत जन आंदोलन आंदोलन %मेरी माटी मेरा देश% के तहत एकजुट उत्सव के लिए एक मंच के रूप में काम करेगा। मंत्रालय के अनुसार समग्र पोषण के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए समुदाय के विभिन्न वर्गों को शामिल करते हुए, गांव, ब्लॉक और जिला स्तर पर आउटरीच कार्यक्रम, पहचान अभियान, शिविर और घरेलू दौरे आयोजित किए जाएंगे। व्यक्तिगत और सामुदायिक दोनों स्तरों पर पोषण संबंधी व्यवहार को प्रोत्साहित करना अभियान के लक्ष्यों को साकार करने में एक महत्वपूर्ण घटक है। मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 के माध्यम से इस उद्देश्य को आगे बढ़ाया जा रहा है। इसके लिए, एक से 30 सितंबर तक सभी के सहयोग से राष्ट्रीय पोषण माह मनाया जाएगा। अभियान की शुरुआत के बाद से, देश भर में पांच सफल पोषण माह कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

Ministry of Women and Child Development
Government of India

108वें दिन भी प्राधिकरण पर धरने पर किसान

माकपा नेत्री ने सरकार पर जमकर बोला हमला, कहा- ये सरकार अडानी-अंबानी की सरकार

संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। प्राधिकरण पर किसान सभा के नेतृत्व में पिछले 108 दिनों से किसानों का धरना और प्रदर्शन चल रहा है। किसानों को समर्थन देने के लिए शुक्रवार को माकपा नेत्री सुभाषणी अली किसानों के बीच पहुंची और उन्होंने किसानों को अपना समर्थन देते हुए केंद्र और राज्य की सरकार पर जमकर हमला बोला। इस दौरान उन्होंने सरकार को अंबानी और अडानी की सरकार बताया। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर चल रही किसानों के धरना प्रदर्शन में माकपा नेत्री सुभाषनी अली ने पहुँची ।उन्होंने किसान सभा के धरने को किया संबोधित करते हुए समर्थन का किया ऐलान किया। धरने को संबोधित करते हुए सुभाषनी अली ने कहा कि यह सरकार अडानी अंबानी की सरकार है। सरकार की नीतियां किसान और मजदूर विरोधी हैं ।सरकार सिर्फ गरीबों के पक्ष में जुमलेबाजी करती है जबकि निर्णय पूंजी पतियों के पक्ष में करती है।उन्होंने कहा कि प्राधिकरण भी कोई अपवाद नहीं है, प्राधिकरण के पास पूंजीपतियों, बिल्डरों के लिए जमीन की कोई कमी नहीं है, परंतु किसानों के साथ किए गए समझौते के अनुसार प्लाट देने की नीयत प्राधिकरण की नहीं है। जिससे साफ जाहिर होता है कि प्राधिकरण किसके पक्ष में कार्य कर रहा है, जबकि सारी जमीन किसानों ने ही प्राधिकरण को दी है और प्राधिकरण हर बार अपने वादे से मुकरा है। किसान सभा के प्रवक्ता डॉक्टर रुपेश वर्मा ने कहा कि 12 सितंबर को प्राधिकरण के दोनों गेट पूरी तरह बंद कर दिए जाएंगे। किसान सभा प्राधिकरण और सरकार किसानो की वाजिब समस्याओं को हल करने के लिए पूरा मौका दे चुकी हैं। प्राधिकरण ने वादा खिलाफी करते हुए अपने वादे से मुकरने का कार्य किया है ।जिससे किसानों में आक्रोश बढा है। नतीजतन किसानों ने 12 सितंबर को प्राधिकरण को बंद करने का ऐलान किया है। किसान सभा के युवा नेता प्रशांत भाटी ने कहा कि हम युवा पूरी तरह संगठित हैं। 12 सितंबर को प्राधिकरण के दोनों गेट बंद करने की तैयारी कर ली गई है। क्षेत्र के युवा जागरूक हो चुके हैं। 10% आबादी प्लाट, रोजगार की नीति, भूमिहीनों का 40 वर्ग मीटर का प्लाट और नए कानून को लागू करवा कर ही दम लेंगे।

एमिटी विश्वविद्यालय में धूमधाम से मनाया गया ओणम

संवाददाता

नोएडा। छात्रों के मध्य सर्वधर्म संस्कृति के प्रति समभाव को बढ़ाने व अन्य संस्कृति यों के प्रति जानकारी प्रदान करने के लिए सेक्टर-125 स्थित एमिटी विश्वविद्यालय में हर त्योहार पूरे उल्लास के साथ मनाया जाता है। इसी क्रम में केरल के प्रमुख त्योहार ओणम उत्सव, एमिटी विश्वविद्यालय में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर छात्रों द्वारा पारंपरिक नृत्य व गीत प्रस्तुत किये गये और ओणम के संदर्भ में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में एमिटी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर डा बलविंदर शुक्ला और एमिटी ग्रुप वाइस चांसलर डा गुरिंदर सिंह ने छात्रों का उत्साह वर्धन किया। इस मौके पर छात्रों ने पारंपरिक वेशभूषा में लोक नृत्य प्रस्तुत किया। छात्राओं ने बताया कि इसके लिए उन्होंने काफी ट्रेनिंग ली थी। क्योंकि ये एक पारंपरिक त्योहार है इसमें गलती की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। यहां सभी के साथ मिलकर त्योहार मनाना काफी बेहतर अनुभव है। समारोह में संबोधित करते हुए एमिटी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर डा बलविन्दर शुक्ला ने कहा कि ओणम को विशेषकर खेतों में फसल की अच्छी उपज के लिए मनाया जाता है। इसके साथ केरल में महाबली राजा के आदर सत्कार की कथा भी प्रचलित है। डा शुक्ला ने कहा कि इस प्रकार के पारंपरिक उत्सव हमें अपनी संस्कृति से जोड़ते है जो जीवन में सफल होने के लिए आवश्यक है। एमिटी मे हम छात्रों को देश के विभिन्न राज्यों के पारंपरिक त्योहारों की जानकारी प्रदान करते है।

2 महीने बाद ही टूटकर गिरने लगा यमुना श्मशान घाट

संवाददाता

जेवर। यमुना प्राधिकरण द्वारा जेवर के रुस्तमपुर गांव के श्मशान घाट का निर्माण कराया गया था। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण में घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया। जिसकी वजह से वह जगह-जगह से टूटने लगा है। इस संबंध में ग्रामीणों के मामले की शिकायत विभाग के बड़े अधिकारियों से करने को कहा है। ग्रामीणों ने बताया कि करीब 2 महीने पहले प्राधिकरण द्वारा श्मशान घाट का जीर्णोद्धार कराया गया था। जिसमें निर्माण के वक्त खराब सामग्री लगाई गई थी। उस दौरान भी ग्रामीणों द्वारा विरोध किया गया था। लेकिन संबंधित ठेकेदार ने ग्रामीण की बातों पर कोई ध्यान नहीं दिया। आरोप है कि जबरन तरीके से उसका निर्माण कर दिया। अब वहां के पिलर और ब्रेंच समेत अन्य जगहों में दरार आ गई है। जिनसे से प्लास्टर भी टूट कर गिरने लगा है। तीन शेड भी खराब हो गया है। गांव निवासी और समाजसेवी एडवोकेट अर्चना सिंह का कहना है कि विभागीय अधिकारियों के लापरवाही की वजह से श्मशान घाट 2 महीने बाद ही जगह से टूटने लगा है। जिससे लोगों की जान को खतरा हो सकता है। उनका कहना है कि इस संबंध में उन्होंने संबंधित ठेकेदार से भी शिकायत की है। लेकिन अभी तक समस्या का समाधान नहीं हुआ है। शुक्रवार को ग्रामीणों ने श्मशान घाट पहुंचकर विभागीय अधिकारियों के खिलाफ नाराजगी भी व्यक्त की है। ग्रामीणों को कहना है कि भ्रष्टाचार की वजह से श्मशान घाट में काफी खराब सामग्री लगाई गई है। जिसकी वजह से ही वह 2 महीने बाद ही टूटने लगा है। ग्रामीणों का कहना है कि जब बारिश के मौसम में अंतिम संस्कार करने ग्रामीण जाते हैं, तो वहां पिलर में तीन साइड के खराब होने से लोगों की जान को भी खतरा भी बना रहता हैं। जिसकी तरफ भी विभाग के अधिकारियों को ध्यान देना चाहिए। इस दौरान सुनील प्रधान, मोहन सिंह, सतेंद्र सिंह, अनूप, मोनू सिंह, पप्पू, किरन, नरेश, वीरपाल और कृष्णा समेत कई लोग मौजूद रहे।

अपहृत नाबालिग को पुलिस ने किया बरामद

3 आरोपी गिरफ्तार, हिजाब पहने हुए फोटो हुई थी वायरल, 17 पुलिस कर्मियों की लगी थी टीम

संवाददाता

नोएडा। 25 अगस्त को फेज-2 थाना क्षेत्र ये गायब हुई एक नाबालिग लड़की को पुलिस ने बरामद कर लिया है। एक दिन पहले ही नाबालिग की हिजाब पहने हुए कुछ फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। लोगों ने पुलिस से जल्द जल्द कार्रवाई करने के लिए ट्वीट किया था। पुलिस ने 17 पुलिस कर्मियों की तीन टीम बनाई। इसमें साइबर सेल और लोकल इंटेलिजेंस की टीम को भी शामिल किया गया।

एक युवक को हिरासत में लिया गया। पूछताछ के बाद नाबालिग को बरामद किया गया। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। सेंट्रल नोएडा के एसीपी राम कृष्ण तिवारी

ने बताया कि 26 अगस्त को पीड़िता के परिजनों ने फेस-2 पुलिस को सूचना दी कि उनकी 15 साल की बेटी 25 अगस्त को घर से कही चली गयी है। सूचना पर थाना फेस-2 ने अपहरण की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। उन्होंने बताया कि इस मामले में फेस-2 पुलिस द्वारा इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस, टेक्निकल साक्ष्य व मैनुअल इंटेलिजेंस की सहायता से अपहर्ता (वादी की बेटी) की सकुशल बरामदगी कर लिया है। इसके बाद अपहर्ता के बयानों के आधार पर मुकदमा में सलमान पुत्र तौफीक, नितिन पुत्र हरि शंकर व ललित मोहन उर्फ आदी पुत्र शंकर लाल को गिरफ्तार किया गया। इस मामले में धारा 354/452 व 7/8 पाक्सो एक्ट की बढ़ोतरी की गयी। सीसीटीवी फुटेज व इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस से अलग-अलग स्थानों पर तलाश की गई। जिसके बाद नाबालिग को बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि ये तीनों ही नाबालिग के पड़ोस में ही रहते थे।

इसी मौके का लाभ उठाकर, पीड़िता को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गये। बता दें 31 अगस्त को नाबालिग का एक फोटो वायरल हुआ था। जिसमें वो हिजाब पहले हुए दिख रही थी। जिसके बाद तमाम अटकल लगाई जाने लगी। एसीपी ने बताया कि उसकी सहेली ने बताया कि वो अक्सर हिजाब पहनकर फोटो खिचवाती थी।

दुष्कर्मी कथावाचक गिरफ्तार

संवाददाता

नोएडा। दुष्कर्म जैसा कृत करने वाले कथा वाचक को दादरी कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया गया। पीड़ित महिला उसके पास अपने बेटे के इलाज के लिए गई थी। आरोपी बच्चों को ठीक करने का झांसा देकर उसके साथ एक साल से दुष्कर्म कर रहा था। विरोध करने पर उसके परिवार को जान से मारने की धमकी देता था। महिला की शिकायत पर पुलिस ने मनोज शास्त्री को नगर पालिका दादरी के पास से गिरफ्तार कर लिया। पीड़ित महिला नेबताया कि आरोपी मनोज शास्त्री कथा वाचन का काम करता है। करीब एक साल पहले ग्रेटर नोएडा के सेक्टर में आयोजित

भागवत कथा के दौरान पीड़ित महिला उससे मिली थी। उसने बताया कि उसका बेटा जन्म से ही बोल नहीं पाता है। मनोज शास्त्री ने महिला को आश्वासन दिया कि उसके बच्चे को वह तांत्रिक विद्या से ठीक कर देगा। महिला का आरोप की उपचार और तांत्रिक विद्या के नाम पर उसका दैहिक शोषण करने लगा। जब महिला ने अपने पति से शिकायत करने की बात की तो उसने उसे जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित महिला का कहना है कि वह उसे लगातार फोन पर अश्लील बातें करता था और उसके घर पर भी आने लगा। वह महिला के पति को नशीली गोलियां खिला कर बेहोश करने के बाद उसके साथ दुष्कर्म करता था। पीड़ित महिला ने आखिरकार हिम्मत जुटाकर इसकी शिकायत दादरी थाने में कर दी। शिकायत मिलने के बाद दादरी पुलिस ने कथा वाचक मनोज शास्त्री को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। दादरी थाना प्रभारी ने बताया कि महिला द्वारा दुष्कर्म की शिकायत की गई थी। इस मामले में महिला की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। जांच कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

किसान एकता संघ ने किया धरना प्रदर्शन

संवाददाता

जेवर। किसानों की कई सूत्रीय मांगों को लेकर शुक्रवार को किसान एकता संघ ने तहसील पर धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान सैकडों तादाद में किसान मौजूद रहे। शाम तक कोई भी अधिकारी किसानों से वार्ता नहीं करने पहुंचे। जिसके चलते किसानों में नाराजगी है। किसानों का कहना है कि रोजाना उनका प्रदर्शन इसी तरह तहसील पर जारी रहेगा। किसान अपनी पूर्व योजना के तहत शुक्रवार की सुबह करीब 10 बजे तहसील पर पहुंचे। जिसके बाद सैकड़ो किसान धरने पर बैठ गए। करीब 11 बजे से पंचायत शुरू हुई। इस दौरान किसानों ने आरोप लगाया कि तहसील में किसी भी काम को कर्मचारियों द्वारा बिना सुविधा शुल्क नहीं किया जाता है। उनका कहना है कि जानबूझकर कागजात में कमी छोड दी जाती है। जिससे उसका आवेदन निरस्त हो जाता है। ऐसी कोई समस्याओं को लेकर उन्होंने हंगामा किया। दोपहर बाद किसानों ने वहां मौजूद पुलिस के अफसरों से पंचायत में डीएम या सक्षम अधिकारी एडीएम को किसानों की समस्याओं सुनने को बुलाने को कहा। 4 बजे तक जिला प्रशासन की तरफ से पंचायत में कोई अधिकारी किसानों की समस्या सुनने पंचायत में नहीं पहुंचे। जिसके बाद गुस्साए किसान अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे गए। किसानों का कहना है कि सोमवार सुबह 10 से शाम के 5 बजे तक उनका अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन रहेगा। किसानों का कहना है कि ऐसी कई समस्याओं को लेकर पिछले कई महीनो से जिले के बड़े अधिकारियों से शिकायत करते आ रहे हैं। लेकिन उनकी समस्याओं को समाधान नहीं हुआ है। जिसके चलते ही उन्होंने आज यह प्रदर्शन किया है। सोमवार को धरना स्थल पर और भी ज्यादा किसान शामिल होंगे। इस मौके पर चौधरी बाली सिंह,सोरन प्रधान, देशराज नागर, रमेश कसाना, पप्पे नागर, वनीश प्रधान, ओमबीर प्रधान, आजाद प्रधान, अमित अवाना, सतीश कनारसी, अजीत नागर, जगदीश शर्मा, राकेश चौधरी, सहदेव भाटी, अरविंद सेक्रेटरी, विनीत नागर, विक्रम नागर, उमेद एडवोकेट, सुमित चपरगढ, अखिलेश प्रधान, पप्पू प्रधान और आशु खान समेत कई किसान मौजूद रहे।

संक्षिप्त डायरी

पुलिस ने चेकिंग के दौरान किये अवैध हथियार सप्लाई करने वाले चार अपराधी गिरफ्तार

संस्कार उजाला, तेजवीर सिंह

हापुड़ । थाना सिम्भावली पुलिस ने चैकिंग के दौरान अवैध असलहा सप्लाई करने जा रहे 4 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार। जिनके कब्जे से 2 अवैध पिस्टल, 1 तमंचा, 9 जिन्दा कारतूस व चाकू भी बरामद। बतादें गिरफ्तार अभियुक्तगण प्रत्येक पिस्टल को करीब 40 से 45 हजार व प्रत्येक तमंचा 5 से 6 हजार रुपये में आपराधी प्रवृति के लोगों को बेचकर आर्थिक लाभ प्राप्त करते थे मिली जानकारी के अनुसार गिरफ्तार होने वालों मैं पंकज पुत्र हरवीर सिंह निवासी मेरठ संजय पुत्र टेकचंद निवासी जिला बुलंदशहर आदित्य उर्फ काले पुत्र निवासी मेरठ गौरव पुत्र सोहनवीर निवासी जनपद मेरठ के रूप मैं पहचान हूई।

हार्डवेयर की दुकान में लगी आग:6 दमकल की गाड़ियों ने आग पर पाया काबू

संवाददाता

नोएडा । सेक्टर-9 स्थित एक मिलेनियम हार्डवेयर की दुकान के दूसरे तल पर भीषण आग लग गई। आग शॉट सर्किट की वजह से लगी। लोगों ने गार्ड और दमकल विभाग को जानकारी दी। मौके पर छह दमकल की गाड़ियों को भेजा गया। 25 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। इस दौरान सर्च ऑपरेशन चलाया गया, जिसमें तीसरे तल पर एक व्यक्ति बेहोशी की हालत में मिला। उसे कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां उसकी हालत अब ठीक है। सीएफओ प्रदीप चौबे ने बताया कि दोपहर में हार्ड वेयर की दुकान में आग लगने की सूचना मिली। आग दूसरे तल पर लगी थी। यहां इलेक्ट्रिकल का सामान था। सामान पूरी तरह से जलकर राख हो गया था। आग लगते ही दुकान में मौजूद लोग बाहर निकल गए। आग काफी तेज थी इसलिए आसपास की इमारतों को भी पानी डालकर उनकी दीवारों को ठंडा रखा गया। इस दौरान पहले बिजली सप्लाई बंद की गई। इसके बाद दमकल विभाग के कर्मियों ने आग पर काबू पाया। एक के बाद करीब 6 दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची। उन्होंने आग पर काबू पाया और वायर और इलेक्ट्रिकल सामान ज्यादा होने की वजह से बिल्डिंग में धुआं काफी भर गया था। वेंटिलेशन नहीं होने से ये धुआं तीसरे फ्लोर पर भर गया। वहां पहले से मौजूद एक व्यक्ति इसी धुंए के कारण बेहोश हो गया। जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाकी सभी लोग सुरक्षित पहले ही बाहर आ गए थे। आग से लाखों का नुकसान हुआ है।

गौतम बुद्ध नगर में होगा श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव

संवाददाता

ग्रेटर नोएडा । एक दिवसीय श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव आयोजित होगा ।सेंट्रल पार्क रामलीला ग्राउंड साइट 4 में इसका आयोजन होगाम इसको लेकर शुक्रवार को श्री श्याम सेवा परिवार संस्था ने प्रेस वार्ता की और इस कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। इस कार्यक्रम में भजन सम्राट कन्हैया मित्तल, मुकेश बांगड़ा और भावना स्वरांजलि शामिल होंगे। इसके अलावा खाटू श्याम मंदिर के ट्रस्टी और सेवादार मानवेंद्र चौहान भी कार्यक्रम में शामिल होंगे। श्री श्याम सेवा परिवार ग्रेटर नोएडा के अध्यक्ष मुकुल गोयल ने बताया कि 3 सितंबर को शाम 5:00 बजे से श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव का आयोजन होगा।

यह कार्यक्रम ग्रेटर नोएडा के सेंट्रल पार्क रामलीला ग्राउंड साइट 4 में आयोजित होगा। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में भजन सम्राट कन्हैया मित्तल ,मुकेश बागड़ा, भावना स्वरांजली अपने भजनों से लोगों को मंत्र मुक्त करेंगे। इसके अलावा इस कार्यक्रम में खाटू श्याम मंदिर के ट्रस्टी और सेवादार मानवेंद्र चौहान भी शामिल होंगे। मुकुल गोयल ने बताया कि इस कार्यक्रम को लेकर तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। करीब 100 फीट लंबा मंच पर तैयार किया गया है जो 40 फीट ऊंचा भी होगा ।सभी लोगों के लिए इसमें एंट्री फ्री होगी ।इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। पूरे रामलीला ग्राउंड में और आसपास सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं ।अलग से 100 सिक्योरिटी गार्ड भी तैनात किए गए हैं ,साथ ही पुलिस भी मौके पर तैनात रहेगी। इस दौरान छप्पन भोग और आने वाले सभी लोगों के लिए खाने की व्यवस्था रहेगी संस्था के सचिव सुरेश कुमार गुप्ता ने बताया कि 3 सितंबर को सुबह 10:00 बजे से सबसे पहले निशान यात्रा प्रारंभ होगी, जो कि ग्रेटर नोएडा के शक्ति मंदिर साइट 4 से शुरू होकर संकीर्तन स्थल पर पहुंचेगी। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में 5000 से ज्यादा लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। गौरतलब है कि कन्हैया मित्तल को लेकर लोगों में काफी उत्साह है ।खाटू श्याम जाने वाला प्रेमी उनके भजनों को जरूर गुनगुनाते हैं। इसके अलावा 2022 के इलेक्शन से पहले उनके द्वारा गया गया गीत जो राम को लाए हैं हम उनको लेंगे काफी फेमस हुआ था। संस्था पहली बार इस कार्यक्रम का आयोजन कर रही है।

मणिपुर में जल्द रुके हिंसा, मैरीकॉम ने केंद्रीय मंत्री शाह को लिखा पत्र

इंफाल । मणिपुर में जारी हिंसा को रोकने के उद्देश्य से बॉक्सिंग स्टार एमसी मैरीकॉम ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है। मैरीकॉम ने पत्र में मांग की है कि मणिपुर में शांति स्थापित की जाए। मणिपुर के गावों में शांति स्थापित हो और लोगों की सुरक्षा को लेकर पुख्ता इंतजाम किए जाए। मैरी कॉम ने केंद्रीय मंत्री शाह को पत्र लिखा है ताकि मणिपुर के कोम गांवों में हो रही घुसपैठ को रोका जा सके। साथ ही ये सुनिश्चित किया जा सके कि दो समूह जिनके बीच युद्ध की स्थिति बनी हुई है, वे गांव में घुसपैठ ना करें। शाह से उन्होंने कहा कि कौम समुदाय मणिपुर की स्वदेशी जनजाति है। ये अल्पसंख्यकों में सबसे छोटी जनजाति में शामिल है। उन्होंने अपने पत्र में स्थिति का ब्यौरा देकर लिखा कि हम सभी दो प्रतिद्वंद्वी समुदायों के बीच बिखरे हुए हैं... दोनों तरफ से मेरे समुदाय की सुरक्षा पर आंच आने का खतरा बना रहता है। कौम समुदाय के खिलाफ हमेशा अटकलें और संदेह की स्थिति बनी रहती है। हम सभी समस्याओं के बीच में फंसे हुए हैं... कमजोर आंतरिक प्रशासन और एक समुदाय के रूप में छोटे आकार के कारण अल्पसंख्यक जनजातियाँ, हम अपने अधिकार क्षेत्र में घुसपैठ करने वाली किसी भी ताकत के खिलाफ खड़े होने में सक्षम नहीं हैं। अपने पत्र में पद्म विभूषण पुरस्कार विजेता मैरी कॉम ने कहा, हम दोनों युद्धरत समूहों को कोम गांवों में घुसपैठ से रोकने के लिए सुरक्षा बलों की मदद चाहते हैं। पूर्व राज्यसभा सदस्य ने भारतीय सेना, अर्धसैनिक बल और राज्य बलों के सभी तैनात सदस्यों से अनुरोध किया कि वे आबादी की सुरक्षा के लिए अपनी जिम्मेदारियों को निभाने में निष्पक्ष रहें और राज्य में शांति और सामान्य स्थिति बनाए रखने में सफल हों। बता दें कि मणिपुर के बिष्णुपुर और चुराचांदपुर जिलों में पिछले 72 घंटों के दौरान कुकी और मेइती के बीच लगातार गोलीबारी के कारण कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और दो सुरक्षाकर्मियों सहित 18 अन्य घायल हो गए।

केरल में 10 दिनों में 759 करोड़ की शराब की बिक्री हुई

तिरुवनंतपुरम । राज्य में शराब और बीयर के एकमात्र थोक विक्रेता बेवको ने कहा ?कि 21 अगस्त से शुरू हुए दस दिवसीय ओणम समारोह के दौरान केरल में शराब की बिक्री 759 करोड़ रुपए के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। पिछले साल यह आंकड़ा 700 करोड़ रुपए था। संयोग से उत्सव के दौरान जहां लोगों ने 759 करोड़ रुपए की शराब गटक ली, वहीं राज्य सरकार करों के माध्यम से 675 करोड़ रुपए मिले हैं। राज्य के लिए खुश होने के और भी कारण थे क्योंकि त्रावणकोर शुगर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड की जवान रम हॉट केक की तरह स्टॉक से खत्म हो गई। उत्सव के दौरान शराब की सबसे अधिक बिक्री सोमवार को पहले ओणम के दिन दर्ज की गई। इस दिन करीब 116 करोड़ रुपए की शराब बिकी थी। बेवको के मुताबिक उस दिन छह लाख लोगों ने शराब खरीदी। अगस्त में शराब की कुल बिक्री 1,799 करोड़ रुपए तक पहुंच गई, जो पिछले साल इसी महीने में 1,522 करोड़ रुपए थी।

फिल्म मेकर का आरोप, 27 साल से उनके 2 करोड़ रुपए दबाए बैठे सनी देओल

मुंबई । फिल्म मेकर सुनील दर्शन ने अभिनेता सनी देओल पर धोखाधड़ी के गंभीर आरोप लगाए हैं। दर्शन का कहना है कि सनी 27 साल से उनके 2 करोड़ रुपए दबाए बैठे हैं। इसके लिए उन्होंने कोर्ट में भी केस किया हुआ है। सुनील का कहना है कि एक दिन बाद पैसा देने की बात कहकर 1996 में उनसे सनी ने फिल्म ने प्रिंट लिए थे। वहां एक दिन अब तक नहीं हुआ है। सुनील दर्शन ने इंटरव्यू में कहा, साल 1996 में सनी ने अपनी फिल्म अजय की शूटिंग कर रहे थे। उन्होंने मुझसे फिल्म अजय के लिए ओवरसीज डिस्ट्रीब्यूशन के राइट्स मांगे। उन्होंने मुझसे कहा कि वे पैसों का बंदोबस्त करने लंदन जा रहे हैं। पैसों का इंतजाम होते ही वे मुझसे फिल्म की प्रिंट खरीद लूंगा। उनका आदमी प्रिंट की डिलीवरी लेने आया लेकिन पेमेंट नहीं लाया। सनी ने कहा कि लंदन में क्रिसमस की छुट्टी पर बैंक बंद है, इसलिए पैसों का बंदोबस्त नहीं हुआ। एक दो दिन में वहां पैसा दे दूंगा। मैंने उन पर विश्वास करके प्रिंट दे दिया। सुनील ने कहा कि कुछ दिन बाद मैंने सनी से अपना पैसा मांगना शुरू किया। मैं कई महीनों तक सनी से पैसे मांगता रहा। मैं लगातार उनके सेट पर जाता लेकिन वे बहाना करके टालते रहते। दर्शन ने कहा कि 4 साल तक वे सनी के पीछे भागते रहे। जब सनी ने किसी भी तरह पैसा नहीं दिया, तब मैंने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

तीन दिन दिल्ली में नहीं रहेगा लाकडाउन, जरुरी सेवाएं रहेगी चालू

नई दिल्ली । जी20 सम्मेलन के लिए राजधानी दिल्ली दुल्हन की तहर तैयार है। 9 और 10 सितंबर को होने जा रहे सम्मेलन के लिए दिल्ली में 3 दिन का सार्वजनिक अवकाश रहेगा। इन छुट्टियों को दिल्ली में तीन दिन का लॉकडाउन भी बताया जा रहा है। कुछ लोग इस बात को लेकर भी चिंतित हैं कि क्या दूध, सब्जी, दवा जैसी रोजमर्रा की जरूरी चीजों की दुकानें भी बंद रहेंगी? यदि आपके मन में भी इसकी चिंता है, तब इस दूर कर लीजिए। दिल्ली पुलिस ने साफ किया है कि जरूरी सेवाओं और वस्तुओं की आपूर्ति पर किसी तरह का कोई प्रतिबंध नहीं है। सब्जी, किराना, दूध और दवा जैसी चीजों की दुकानें खुली रहेंगी। यदि आप नई दिल्ली क्षेत्र में रहते हैं फिर भी टेंशन लेने की आवश्यकता नहीं है। इसके अलावा अस्पताल, रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट जाने से भी नहीं रोका जाएगा। हालांकि, इसके लिए रूट में कुछ बदलाव जरूर किए गए हैं। हालांकि, गैर जरूरी कामों के लिए बाहर नहीं निकलने की सलाह दी गई है। शॉपिंग करना चाहते हैं या दिल्ली में कहीं घूमना चाहते हैं, तब 8-10 सितंबर के बीच ऐसा करने से परहेज करें। हालांकि, सार्वजनिक परिवहन की सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। मेट्रो नियमित रूप से चलेगी और बसों से आप सफर कर पाएंगे। लेकिन कोशिश करें कि जरूरी काम होने पर ही बाहर निकलें। यदि मेडिकल इमर्जेंसी की नौबत है, तब आप किसी भी रूट पर निकल सकते हैं। यह साफ किया गया है कि एंबुलेंस या मरीजों को ले जा रहे दूसरे वाहनों को कहीं भी रोका नहीं जाएगा। जरूरत पड़ने पर पुलिस ग्रीन कॉरिडोर भी बना सकती है। 7 से 11 सितंबर तक कुछ संसाधनों और रास्तों पर कुछ प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। हालांकि, हवाई अड्डे, रेलवे, मेट्रो सेवाएं, अंतरराज्यीय और सिटी बसें, टीएसआर-टैक्सियां सामान्य रूप से चालू रहेंगी। अंतरराज्यीय बसों को भी प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। हालांकि, नई दिल्ली क्षेत्र में बस सेवा उपलब्ध नहीं होगी। दिल्ली मेट्रो सेवा और सार्वजनिक परिवहन कुछ पाबंदियों के साथ उपलब्ध होंगे।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, अमान्य विवाह से पैदा हुए बच्चों को माता-पिता की संपत्ति मिलेगी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को फैसला सुनाया कि शून्य या अमान्य विवाह से पैदा हुए बच्चे अपने माता-पिता की संपत्ति में हिस्सा पाने के हकदार हैं। लाइव लॉ की रिपोर्ट के अनुसार, शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि यह फैसला केवल हिंदू मिताक्षरा कानून द्वारा शासित हिंदू संयुक्त परिवार की संपत्तियों पर लागू है। यह फैसला भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली तीन-न्यायाधीशों की पीठ ने रेवनासिद्दप्पा बनाम मल्लिकार्जुन (2011) मामले में दो-न्यायाधीशों की पीठ के फैसले के संदर्भ में दिया था, जिसमें कहा गया था कि शून्य/अस्थिर विवाह से पैदा हुए बच्चे अपने माता-पिता की संपत्ति चाहे स्व-अर्जित हो या पैतृक को प्राप्त करने के लिए हकदार हैं। हिंदू विवाह अधिनियम 1955 की धारा 16(3) की व्याख्या के अनुसार अमान्य विवाह से पैदा हुए बच्चों को वैधता प्रदान की जाती है। लेकिन धारा 16(3) कहती है कि ऐसे बच्चों को केवल अपने माता-पिता की संपत्ति विरासत में मिलेगी और अन्य सहदायिक शेयरों पर उनका कोई अधिकार नहीं होगा। पीठ ने बताया कि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम की धारा 6 के अनुसार, हिंदू मिताक्षरा संपत्ति में सहदायिकों के हित को उस संपत्ति के हिस्से के रूप में परिभाषित किया गया है जो उन्हें आवंटित किया गया होता यदि संपत्ति का विभाजन ठीक पहले हुआ होता।

विपक्षी गठबंधन एकजुट होकर काम कर रहा, नतीजा भाजपा की हार के रूप में सामने आएगा: नीतीश

मुंबई (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' यानी 'इंडिया' में शामिल सभी घटक दल मिलकर और एकजुट होकर काम कर रहे हैं तथा इसका फलसफा आगामी लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की हार के रूप में सामने आएगा। विपक्षी गठबंधन की यहां आयोजित दो दिवसीय बैठक के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि अब इसके घटक दलों के नेता देश के विभिन्न हिस्सों में जाकर प्रचार-प्रसार करेंगे। उन्होंने आगामी लोकसभा चुनाव निर्धारित समय से पहले कराए जाने की आशंका भी जताई और कहा कि विपक्षी गठबंधन को इसके लिए मुस्तैद रहना होगा। नीतीश ने कहा, ''आज 'इंडिया' की तीसरी बैठक थी। बहुत अच्छे ढंग से बातचीत हुई है।

अब नियमित रूप से जगह-जगह जाकर प्रचार-प्रसार करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''जितनी पार्टियां एकजुट होकर काम कर रही हैं, इसी का नतीजा होगा कि अभी जो केंद्र की सत्ता में हैं अब वह हारेंगे, अब वह जाएंगे। ये पक्का जान लीजिए।'' नीतीश ने कहा कि पटना से शुरु हुई बैठक के बाद यह सफर मुंबई पहुंचा है, लिहाजा वह चाहते हैं कि अब आगे का काम तेजी से हो। उन्होंने कहा, ''हम लोगों ने तेजी से काम करने की शुरुआत कर दी है। कोई ठिकाना नहीं है, चुनाव समय के पहले भी हो सकते हैं। इसलिए हम लोगों को भी सतर्क रहना पड़ेगा।'' उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)-नीत केंद्र सरकार पर इतिहास बदलने की कोशिश करने का आरोप लगाया और दावे के साथ कहा कि विपक्षी गठबंधन किसी भी सूरत में ऐसा नहीं होने देगा। उन्होंने कहा कि 'इंडिया' के बैनर तले, ''समाज के हर तबके का उत्थान होगा, किसी की कोई उपेक्षा नहीं होगी।''

जनता दल (यूनाइटेड) के प्रमुख नीतीश ने सत्ताधारी भाजपा पर साम्प्रदायिक राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि विपक्षी गठबंधन 'सबको लेकर' आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि अभी तो मीडिया पर भी सत्ताधारी पार्टी का 'कब्जा' है लेकिन एक बार उनसे (वर्तमान केंद्र सरकार से) 'मुक्ति' मिलेगी तो आप सब प्रेस वाले 'आजाद' हो जाइएगा। उन्होंने कहा, ''फिर जो उचित लगेगा, वही लिखिएगा, वही बोलिएगा। यह बहुत जरूरी है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने लगाई मोहर, नेहरू मेमोरियल संग्रहालय अब प्रधानमंत्री संग्रहालय

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नेहरू मेमोरियल संग्रहालय और पुस्तकालय (एनएमएमएल) का नाम बदलकर प्रधानमंत्री संग्रहालय करने को मंजूरी दे दी है। इस लेकर शुक्रवार को एक गजट नोटिफिकेशन जारी किया गया है। 14 अगस्त को नेहरू मेमोरियल संग्रहालय का नाम आधिकारिक तौर पर बदल कर प्रधानमंत्री संग्रहालय और पुस्तकालय (पीएमएमएल) सोसाइटी किया गया था। इसके पहले जून में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में आयोजित के एक बैठक में नेहरू स्मारक संग्रहालय करने के प्रस्ताव पर मंजूरी दे दी गई थी। अंत में राष्ट्रपति मुर्मू ने भी इस मंजूरी दे दी है। केंद्र ने पीएमएमएल सोसाइटी का पुनर्गठन किया है। अब इस सोसाइटी के अध्यक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उपाध्यक्ष रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह हैं। इसके साथ ही, गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर, मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल सोसाइटी के सदस्य हैं। इनके साथ ही, केंद्रीय मंत्री वी मुरलीधरन, प्रह्लाद पटेल, आईसीसीआर के अध्यक्ष विनय सहस्त्रबुद्धे आदी भी इसके सदस्य हैं।

अकालियों ने अपना विकल्प खुला रखा है, बीजेपी और इंडिया गठबंधन दोनों पर साध रही निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव की लड़ाई की रूपरेखा तैयार हो रही है, भाजपा की पूर्व सहयोगी शिरोमणि अकाली दल फिलहाल खुद को न तो सत्तारूढ़ दल के खेमे में पाती है और न ही 28 विपक्षी दलों के भारतीय गुट में। एक समय पंजाब की सत्ताधारी पार्टी रही है। अकाली दल के पूर्व सांसद नरेश गुजराल, प्रेम सिंह चंदूमाजरा और बलविंदर सिंह भुंडर ने द इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि अकाली दल भारत गठबंधन में शामिल हो सकता है, लेकिन शर्तों के साथ। उनका बयान तब आया जब पार्टी प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने भाजपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) पर अपने हमले जारी रखे। कांग्रेस और आप विपक्षी गठबंधन का हिस्सा हैं।

अकाली दल ने 2022 के विधानसभा चुनावों में सिर्फ तीन सीटें जीतीं, जो उसकी अब तक की सबसे कम सीटें हैं, जो पांच साल पहले की 15 सीटों से कम है। पिछले दो संसदीय चुनावों की तुलना में लोकसभा चुनावों में भी उसका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। इसने 2014 में 26.3प्र. वोट शेयर के साथ पंजाब के 13 विधानसभा क्षेत्रों में से चार में जीत हासिल की, जबकि 2019 में वोट शेयर में 27.45प्र. की मामूली वृद्धि के बावजूद इसकी संख्या घटकर दो रह गई। बादल ने बुधवार को संगरूर जिले में संवाददाताओं से कहा कि आगामी संसदीय चुनावों के लिए अकाली दल के पास कई विकल्प हैं। हम उस गठबंधन में शामिल होंगे जिससे, हमारे अनुसार, पंजाब को सबसे अधिक फायदा होगा। हम यह देखने के लिए अपना आंतरिक मूल्यांकन कर रहे हैं कि कौन सा गठबंधन पंजाब के लिए सबसे अच्छा होगा क्योंकि राष्ट्रीय स्तर के गठबंधनों ने पंजाब को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाया है। उदाहरण के लिए, कांग्रेस ने पंजाब को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया, नरसंहार भी किया।

अगले दिन, बादल ने अमृतसर जिले के बाबा बकाला शहर में एक सार्वजनिक बैठक में भाजपा और कांग्रेस पर निशाना साधा। बीजेपी पर निशाना साधते हुए अकाली नेता ने कहा, 'बाबरी मस्जिद पर हमले के पीछे बीजेपी का हाथ था. कई साल हो गए हैं जब बीजेपी को मुस्लिम वोट नहीं मिले हैं।

दिल्ली में शिवलिंग के आकार वाले फव्वारे, आप ने लगाया हिन्दु धर्म का अपमान

नयी दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन के सफल आयोजन को लेकर तैयारियां की जा रही है। दिल्ली को दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है। सभी विभाग लगातार जी20 शिखर सम्मेलन की तैयारियां में जुटे हुए है। इस बीच दिल्ली में नया बवाल शुरू हो गया है। दिल्ली में इस दौरान शिवलिंग के आकार वाले फव्वारे लगाए गए है।

इन फव्वारों को लगाने के बाद आम आदमी पार्टी ने इन फव्वारों को लेकर बवाल शुरू कर दिया है। दिल्ली के उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना और आप ने आरोप लगाया कि उन्होंने भगवान का अपमान किया है। इस संबंध में उपराज्यवाल सक्सेना का भी बयान सामने आ गया है। दिल्ली में लगाए गए फव्वारों को लेकर उन्होंने कहा कि ये एक तरह की कलाकृति है और ये शिवलिंग नहीं है। दिल्ली में नौ से 10 सितंबर तक होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन के लिए ही कई तैयारियां हो रही है। इन तैयारियों में ही दिल्ली को भी नया स्वरूप दिया गया है।

अधिकारियों का कहना है कि दिल्ली के कई हिस्सों की सुंदरता बढ़ाने के लिए कई बदलाव किए गए है। इसी कड़ी में पालम हवाई अड्डे के पास स्थित हनुमान मंदिर इलाके में ही शिवलिंग के आकार के फव्वारे लगाए गए है। इन फव्वारों को लगाए जाने के बाद आप ने इन्हें लेकर आपत्ति जाहिर की है। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद व प्रवक्ता संजय सिंह ने पोस्ट किया कि भाजपा को देश से इस कृत्य के लिए माफी मांगनी चाहिए। वहीं उन्होंने उपराज्यपाल के खिलाफ भी कार्रवाई करने की मांग की है। आप नेता सिंह ने कहा, मोदी जी के नेतृत्व में शिवलिंग का अपमान किया गया और भाजपा के नेता मोदी की तारीफ कर रहे हैं। उपराज्यपाल शिवलिंग का अनादर करके वाहवाही लूट रहे हैं। 'आप' के विधायक दुर्गेश पाठक ने भाजपा पर शिवलिंग को फव्वारे में बदलकर करोड़ों हिंदुओं की भावनाओं को आहत करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''एनडीएमसी क्षेत्र केंद्र सरकार के अंतर्गत आता है और एनडीएमसी क्षेत्र में चौराहों पर शिवलिंग के आकार के फव्वारे लगाए गए हैं। मानो यह अपमान पर्याप्त नहीं था, इन फव्वारों को लगाने के लिए भाजपा के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से प्रधानमंत्री को बधाई दी जा रही है। इससे ज्यादा शर्मनाक कुछ नहीं हो सकता।''

अगस्त में जीएसटी कलेक्शन 1.60 लाख करोड़ रुपये रहा

नई दिल्ली। बीते महीने अगस्त में गुड्स एंड सर्विस टैक्स (जीएसटी) का कलेक्शन साल दर साल के आधार पर 11 प्रतिशत बढ़ा है। राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने बताया कि बढ़ते अनुपालन और कम चोरी के कारण जीएसटी के कलेक्शन में ये वृद्धि देखी गई है। बता दें कि अगस्त 2023 में गुड्स एंड सर्विस टैक्स (जीएसटी) कलेक्शन 1.60 लाख करोड़ रुपये रहा जो अगस्त 2022 में 1,43,612 करोड़ रुपये था। बता दें कि राजस्व सचिव मल्होत्रा अगस्त के लिए अपेक्षित जीएसटी रेवेन्यू संख्या पर एक सवाल का जवाब दे रहे थे, जिसका डेटा शुक्रवार शाम तक जारी किया जाएगा। मल्होत्रा ने कहा कि जून तिमाही के दौरान जीएसटी राजस्व 11 प्रतिशत से अधिक बढ़ गया।

चांद पर भूकंप, भूकंपीय गतिविधि का अध्ययन कर रहा लैंडर

बेंगलुरु (एजेंसी)। चंद्रमा की सतह पर प्रज्ञान रोवर का 'सर्च ऑपरेशन' जारी है। रोवर चंद्रमा पर मौजूद तत्वों से लेकर हर दिन नए-नए खुलासे कर रहा है। इसरो ने बड़ा अपडेट देकर कहा, ÷चंद्रयान-3 लैंडर पर रंभा-एलपी पेलोड द्वारा दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र पर सतह चंद्र प्लाज्मा वातावरण इंगित करता है कि वहां प्लाज्मा अपेक्षाकृत विरल है। इस बीच, चंद्र भूकंपीय गतिविधि का अध्ययन करने के लिए चंद्रयान 3 लैंडर पर आईएलएसए पेलोड ने न केवल रोवर और अन्य पेलोड की गतिविधियों को रिकॉर्ड किया है, बल्कि 26 अगस्त को एक घटना भी दर्ज की है, जो प्राकृतिक प्रतीत होती है। इसरो ने कहा, इस घटना के स्रोत की जांच की जा रही है।

इसरो ने सोशल मीडिया पोस्ट पर कहा, रेडियो एनाटॉमी ऑफ मून बाउंड हाइपरसेंसिटिव आयनोस्फीयर एंड एटमॉस्फियर-लैंगमुइर प्रोब (रंभा-एलपी) पेलोड ऑनबोर्ड चंद्रयान-3 लैंडर ने दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में निकट-सतह चंद्र प्लाज्मा वातावरण का पहला माप किया है। प्रारंभिक मूल्यांकन से संकेत मिलता है कि चंद्रमा की सतह के पास प्लाज्मा अपेक्षाकृत विरल है।ये मात्रात्मक माप संभावित रूप से उस शोर को कम करने में सहायता करते हैं जो चंद्र प्लाज्मा रेडियो तरंग संचार में पेश करता है। इसरो ने कहा, इसके अलावा, वे आगामी चंद्र आगंतुकों के लिए उन्नत डिजाइन में भी योगदान दे सकते हैं।' लैंडर विक्रम और रोवर प्रज्ञान दोनों में एक दूसरे की 'सच्चाई को धरती पर भेजने की जैसे होड़ लग गई है। बुधवार को प्रज्ञान ने विक्रम की तस्वीर भेजी थी, तब गुरुवार को विक्रम ने प्रज्ञान का मजेदार वीडियो भेजा।

गुजरात भाजपा ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के विचार का समर्थन किया, कांग्रेस ने इसे 'चाल' बताया

प्रयागराज (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की गुजरात इकाई ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के विचार पर केंद्र द्वारा जोर दिए जाने का समर्थन किया है और कहा है कि लगातार चुनाव होने से विकास कार्य प्रभावित होते हैं और परियोजनाओं की लागत बढ़ जाती है। हालांकि, विपक्षी दल कांग्रेस ने इस कदम को महत्वपूर्ण मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाने की ''चाल'' बताया है। राज्य भाजपा अध्यक्ष सी. आर. पाटिल ने कहा कि लोकसभा एवं विधानसभा के एकसाथ चुनाव से न सिर्फ जनता बल्कि सरकार को भी समय और धन की बचत होगी। उन्होंने कहा कि इससे परियोजनाओं की लागत घटाने में मदद मिलेगी, जिनके काम हर चुनाव से पूर्व आचार संहिता लागू होने के कारण रुक जाते हैं। कांग्रेस ने इस विचार को बढ़ती महंगाई जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों से लोगों का ध्यान हटाने के लिए भाजपा की एक ''चाल'' बताया है।

केंद्र सरकार ने ''एक राष्ट्र, एक चुनाव'' की संभावनाओं का पता लगाने के लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया है। नयी दिल्ली में सूत्रों ने कहा कि कोविंद इस कवायद और तंत्र की व्यवहार्यता का पता लगाएंगे कि देश में लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनाव एक साथ कैसे कराये जा सकते हैं। देश में 1967 तक लोकसभा और विधानसभा चुनाव एकसाथ हुए थे। पाटिल ने सूरत में पत्रकारों से कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इससे पहले भी ''एक राष्ट्र, एक चुनाव'' के लाभ के बारे में विस्तार से बात कर चुके हैं और उन्होंने यह भी बताया कि इस तरह की प्रणाली नहीं होने के नुकसान क्या हैं। चूंकि हम ''एक राष्ट्र, एक चुनाव'' प्रणाली का पालन नहीं करते हैं, इसलिए देश में हर साल चुनाव होते रहते हैं और सरकारी अधिकारी इस प्रक्रिया में व्यस्त रहते हैं।''

भाजपा नेता ने दावा किया कि इन चुनावों के दौरान लगातार आदर्श आचार संहिता लागू होने से कई विकास कार्य रुक जाते हैं जिससे लोग समय पर इसके लाभ से वंचित रह जाते हैं। उन्होंने कहा, ''इससे परियोजनाओं की लागत भी बढ़ती है और अनियमितताओं के लिए द्वार भी खुलते हैं। पूर्व में भी हमारे प्रधानमंत्री ने विभिन्न दलों के साथ साथ आम लोगों से इस विषय पर विस्तार से चर्चा की कि हम कैसे ''एक राष्ट्र, एक चुनाव'' प्रणाली का पालन करके इस वित्तीय बोझ से बच सकते हैं और समय बचा सकते हैं।'' सूरत से लोकसभा सदस्य ने कहा कि सभी पार्टियों को इस पर राजनीति करने के बजाय ''राष्ट्रीय हित'' में एक साथ लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनाव के विचार का समर्थन करना चाहिए। कांग्रेस की गुजरात इकाई के अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल ने एकसाथ चुनाव के विचार पर असहमति जताई और इस कदम को लोकसभा चुनाव से पहले प्रमुख मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए सत्तारूढ़ भाजपा की एक ''चाल'' बताया। गोहिल ने द्वारका में कहा, ''पहली बात तो यह कि अभी कोई ठोस प्रस्ताव नहीं है। आप महंगाई और चीन की घुसपैठ जैसे अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए ऐसा प्रस्ताव लाकर चाल चल रहे हैं।

कांग्रेस का आरोप, भारत की आर्थिक वृद्धि दर के आंकड़े बढ़चढ़कर बताए जा रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। चाल वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 7.8 फीसदी होने का दावा करने पर कांग्रेस ने मोदी सरकार पर पलटवार कर कहा कि आंकड़े बढ़ा चढ़ाकर बताए हैं। वर्तमान रुझानों के अनुसार, वर्ष 2022-23 के लिए विकास दर 6 प्रतिशत के आसपास रह सकती है, और बढ़ती असमानता के कारण इस निराशाजनक जीडीपी वृद्धि से भी अधिकांश भारतीयों की आय में वृद्धि नहीं होगी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, पिछली शाम सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के तिमाही आंकड़ों के सामने आने के बाद कहा कि यह कड़वी सच्चाई है कि आंकड़ों को बढ़ा-चढ़ाकर बताया गया है। महंगाई के कारण उपभोग वृद्धि काफी पीछे है, खासकर ग्रामीण भारत में। आयात वृद्धि निर्यात में वृद्धि से आगे जा रही है। जो भी दावे हैं, उनके विपरीत विनिर्माण वृद्धि अभी भी नहीं बढ़ी है। उन्होंने जोर दिया कि मानसून की कमी का प्रभाव दूसरी तिमाही से दिखना शुरू होगा और वर्तमान रुझानों के अनुसार, वर्ष 2022-23 के लिए विकास दर 6 प्रतिशत के आसपास रहेगी है। रमेश ने कहा, बढ़ती असमानता के साथ, 6 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि से भी अधिकांश भारतीयों की आय में वृद्धि नहीं होगी। उन्होंने अपने दावों के समर्थन में जीडीपी आंकड़ों की दो तालिकाएं भी संलग्न कीं।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा साझा किया गया सरकारी डेटा के अनुसार चालू वित्त वर्ष (2023-2024) की अप्रैल-जून तिमाही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि वित्त वर्ष 2022-23 की पिछली जनवरी-मार्च तिमाही में 6.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। हालांकि, 2022-23 की जनवरी-मार्च अवधि में दर्ज की गई 6.1 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में, 2023-24 की पहली तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि 7.8 प्रतिशत अधिक थी।

बयान में कहा गया है, वास्तविक जीडीपी या स्थिर (2011-12) कीमतों पर जीडीपी 2023-24 की पहली तिमाही में 40.37 लाख करोड़ रुपये के स्तर तक पहुंचने का अनुमान है, जबकि 2022-23 की पहली तिमाही में यह 37.44 लाख करोड़ रुपये थी, जो 2022-23 की पहली तिमाही में 13.1 प्रतिशत की तुलना में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। आंकड़ों से पता चलता है कि कृषि, खनन, विनिर्माण, बिजली, निर्माण, होटल और परिवहन जैसी सभी गतिविधियों में 2022-23 की पहली तिमाही के मुकाबले 2023-24 की पहली तिमाही में गिरावट देखी गई। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के अनुसार, 2023-24 की पहली तिमाही के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि 8 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था।

बरसात में हेयर स्टाइल

बरसात के मौसम में बालों की समस्याएं बहुत होती है, क्योंकि बारिश में बाल भीग जाते हैं। इस मौसम में हम पार्टी, शादी आदि में किस प्रकार का हेयर स्टाइल बनायें, यह समस्या हर लड़की और युवती की होती है।

तो आइए बताते हैं कि इस बरसात आप किस मौके के लिए क्या हेयर स्टाइल अपनाएं:

- पहले बालों की पोनीटेल बना लें। पहले आगे की तरफ के बाल लेकर रोल करते हुए पिनअप कर लें। हर बार पिनअप करते हुए बीच में थोड़े से बाल छोड़ दें। इसी तरह दोनों किनारों के और नीचे के बालों को भी रोल करके पिनअप कर लें। इस तरह बन तैयार हो जायेगा। अब बचे हुए बालों को स्पार्कल से हाइलाइट करके ठान पर फैला दें।
- सामने से कुछ बालों को लेकर एक तरफ ढीली सी सागर चोटी बनायें। पीछे के बालों की पोनी बना कर ठान बना लें। चोटी के दायी ओर कान की तरफ ले जाते हुए ठान के ऊपर पिनअप करें। इच्छानुसार डेकोरेट करें।
- बालों को कान से कान तक दो भागों में बांट लें। आगे के बालों को हाइट देते हुए पिनअप करें। अब पूरे बालों को ऊपर ले जाकर हल्का से ट्विस्ट करें और पिनअप करके छोड़ दें।
- बीच में मांग निकाल कर आगे के बालों को दो हिस्सों में बांट लें। पीछे के बालों की पोनीटेल बना लें। पोनीटेल से थोड़े-थोड़े बाल लेकर रोल बना कर पिनअप कर लें। आगे के बालों में जेल लगा कर दोनों तरफ पिनअप कर लें। मोतियों या स्टोन से सजायें।
- बालों के आगे के हिस्से में जिग-जैग मांग निकाल लें। पीछे के बालों की पोनीटेल बना लें। उस पोनीटेल को रोल करके उसका बुके बना कर टॉप कर पिनअप कर लें। अपने पसंद के अनुसार डेकोरेट करें।
- पूरे बालों को उठा कर एक ऊंची पोनी बना लें। अब थोड़े-थोड़े बाल लेकर रोल बनाते हुए ऊपर की तरफ ले जाकर पिनअप कर दे। ऐसे कई रोल बना कर एक-दूसरे के ऊपर पिनअप कर दे। प्रत्येक रोल में थोड़ा-थोड़ा जेल भी लगा दें। ताकि रोल अच्छी तरह से हो जाये। बालों के चारों तरफ स्प्रे करके फूलों से डेकोरेट कर लें।

तो आप इन तरीकों को अपनाएं और खुद को सुंदर व आकर्षक बनायें।

आकर्षक फिगर हेतु कुछ टिप्स

- तंदुरूस्त रहने हेतु रोजाना कम से कम 15-20 मिनट व्यायाम अवश्य करें। इससे शरीर हृष्ट-पुष्ट होगा व चेहरे पर भी चमक आएगी।
- तैराकी एक अच्छा व्यायाम है इसलिए तैरना शुरू करें। सप्ताह में 5 दिन तैरने का नियम बनाएं।
- अगर आप शारीरिक रूप से पूरी तरह फिट हैं तो आपको बहुत अधिक खुराक की जरूरत नहीं होती। अपने एक समय के मुख्य भोजन में से अनाज को निकाल दें। इसकी बजाय दूध, सूप, दाल व सब्जियों का सेवन करें।
- अधिक मीठे पदार्थों का सेवन न करें। ये आपके फिगर के लिए ठीक नहीं हैं। इन्हें खाने से आपको मोटापा आ सकता है इसलिए इनका लोभ छोड़ दें।
- अगर आपके पास व्यायाम करने का समय नहीं हो तो कुछ हाथों द्वारा करने वाली एक्सरसाइज करें जिन्हें आप अपने काम के दौरान ही कर सकते हो।
- अधिक तले-भुने पदार्थ आपके फिगर को अनाकर्षक बनाने में सहायक होते हैं। अत इनका सेवन कम से कम करें।
- बैठने, उठने व खड़े होने का सही ढंग अपनाएं। इससे भी फिगर पर असर पड़ता है।
- फिगर को आकर्षक बनाने हेतु मालिश भी काफी महत्व रखती है। पूरे शरीर की किसी अच्छे तेल से सप्ताह में 2-3 बार मसाज करें।

सुरक्षित और सुंदर छाते की छाँव

बरसात में छाते के बिना घर से बाहर निकलना या अपने दैनिक कार्यों को निपटाना मुश्किल हो जाता है। यूँ को धूप व बरसात दोनों से बचाव हेतु इसका इस्तेमाल किया जाता है पर ज्यादातर इसका इस्तेमाल किया जाता है पर ज्यादातर इसका उपयोग बरसात में ही होता है। चाहे कितने ही प्रकार के रेनकोट बाजार में आ जाएँ फिर भी छाते का महत्व अपनी जगह कायम है। अतः छाते को खरीदते समय निम्न बातों को ध्यान में रखकर ही खरीदना चाहिए व इसके उपयोग में भी सावधानी बरतनी चाहिए। आइए जानते हैं।

- छाते हमेशा अच्छे ब्रांड के, क्वालिटी वाले खरीदना चाहिए। कम दाम के छातों की क्वालिटी भी ठीक नहीं होती और मटेरियल हल्का होने की वजह से दो-चार बार इस्तेमाल के बाद ही वे बेकार हो जाते हैं। अत: मजबूती जाँचकर ही छाता खरीदें।
- नौकरी पेशा वर्ग या अप-डाउनर्स को जहाँ तक हो सके फोल्डिंग छाते, जिन्हें फोल्ड करके बैग में या सूटकेस में ले जाया जा सके, खरीदना चाहिए। आजकल तो थ्री-फोर फोल्डिंग के छाते भी बाजार में उपलब्ध हैं जो आकार में बहुत ही छोटे हो जाते हैं। उन्हें आप पर्स में भी रख सकते हैं।
- घर या कार्यालय, जहाँ अधिक मात्रा में छाते का उपयोग करना हो वहाँ के लिए हो सके तो अलग डंडी या अलग रंग का छाता खरीदें ताकि पहचानने में आसानी हो। किसी जगह जाने पर छाता बाहर ही रखें वरना छाते से निकलता पानी वहाँ टपककर उस जगह को गंदा और गीला कर सकता है।
- बच्चों के लिए छोटे आकार के रंग-बिरंगे छाते भी बाजार में उपलब्ध होते हैं, उन्हें खरीदें। बारिश में किसी बच्चे के बर्थ डे पर रंग-बिरंगा छाता गिफ्ट भी किया जा सकता है। यदि छाता बड़े आकार का होगा तो बच्चा उसे संभाल नहीं पाएगा।
- छाते के किसी कोने पर अपना नाम या कोई पहचान चिन्ह अवश्य बनवा लें ताकि पहचानने में आसानी हो। साथ ही भूल से कोई दूसरा उसे साथ न ले जाए।
- जब छाते की जरूरत न हो तब छाते को बच्चों की पहुँच से दूर रखें। बच्चों की आदत होती है कि वे छाते को बार-बार खोलते-बंद करते हैं जिससे वह खराब भी हो सकता है। यही नहीं छाते की ताड़ी बच्चों की आँख में लग भी सकती है।
- जब बारिश खत्म हो जाए तो छाते को अच्छी तरह साफ करके सुखाकर रेगजीन या प्लास्टिक में पैक करके कीड़े व कॉकरोच से बचाते हुए किसी सुरक्षित स्थान पर रख दें ताकि अगली बारिश में पुन: काम आ सके।

सुरक्षा दाल-मसालों की

- अगर बड़ी मात्रा में चावल स्टोर कर रहे हैं, तो उसमें थोड़ा सा बोरिक पाउडर मिला दें। कीड़ा नहीं लगेगा।
- कटे हुए प्याज को कई दिनों तक रखने के लिए उसमें थोड़ा सा रिफाइंड तेल डाल कर एअर टाइट डिब्बे में बंद करके फ्रिज में रख दें।
- पिसे सूखे मसालों को स्टोर करते समय उन्हें छायादार स्थान पर रखें। रोशनी में इनका रंग हल्का पड़ जाता है। स्वाद में भी अंतर आता है।
- कच्चे फल को जल्दी पकाने के लिए अखबार में लपेट कर अंधेरे स्थान पर रख दें।

चीज मशरूम पकौड़ा

सामग्री: कसा हुआ चीज आधा कप, बारीक कटी हरी मिर्च एक टी स्पून, बारीक कटा लहसुन 2 टी स्पून, बारीक कटा हरा धनिया थोड़ा सा, नमक कालीमिर्च स्वादानुसार, मैदा आधा कप, कॉर्न फ्लोर 2 टी स्पून, सोडा चुटकी भर, मोयन के लिए गरम तेल एक टी स्पून, ताजे मशरूम 15-20, ब्रेड क्रम्ब्स पाव कप, तेल तलने के लिए।

विधि: चीज, हरी मिर्च, लहसुन, हरा धनिया, नमक और कालीमिर्च मिलाकर रखें। मैदा, कॉर्न फ्लोर, सोडा, मोयन का तेल, नमक और कालीमिर्च मिलाकर पानी से उसका गाढ़ा पेस्ट बनाएँ। फिर मशरूम की डंडी खींचकर निकालिए तो वहाँ एक गड्ढा बन जाएगा। उसके अंदर चीज का मिश्रण भरकर उसे मैदे के तैयार पेस्ट से लपेटिए। इन मशरूम को ब्रेड क्रम्ब्स से लपेटकर तल लें और सॉस के साथ गरमागरम सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-1-3-5

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-6

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): अपने काम को प्राथमिकता से करें। बुरी संगति से बचें। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। हाथ-पैरों में पीड़ा हो सकती है। शुभांक-4-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-2-4-5

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): मान-सम्मान में वृद्धि होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। सुविधाओं में बाधा आएगी। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-4-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): संतोषजनक सफलता मिलेगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। मेहमानों का आगमन होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। वाहन चालन में सावधानी बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-2-4-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-5-6-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। वैचारिक उत्तेजना पर नियत्रंण रखें। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-6-9

मीन (दी दू थ झ ज दे दो चा ची): प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-5-6-8

काकुरो पहेली - 2933

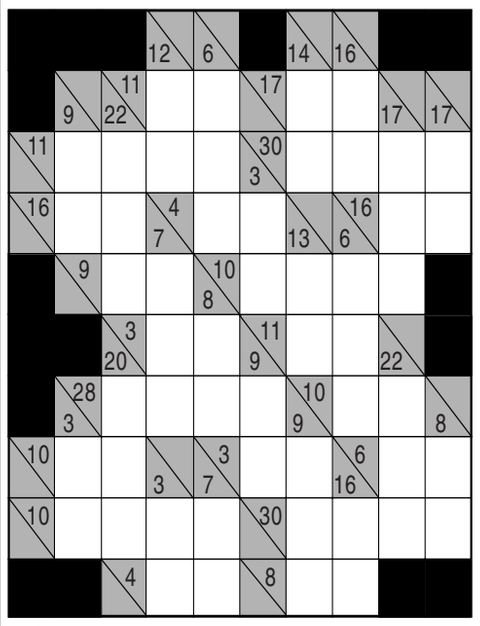

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

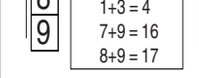

काकुरो - 2932 का हल

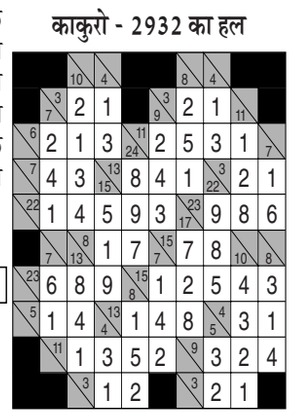

हंसी के फूव्वारें

एक व्यक्ति ने होटल के मालिक को कहा-'जनाब ! इस समय आपका बिल चुकाने के लिये मेरे पास पैसे नहीं हैं.'

'फिक्र न करें !' होटल का मालिक बोला-'हम आपका नाम दीवार पर लिख देंगे. आप जब अगली बार आएं तो दे दीजिएगा.'

'मगर ऐसे तो सबको मालूम हो जायेगा !'

'कैसे मालूम होगा श्रीमान जी !' होटल के मालिक शान्त स्वर में बोला - 'नाम के ऊपर आपका कोट जो टंगा होगा.'

□ □ □

एक अंग्रेज ने, हिन्दुस्तानी आदमी से कहा कि 'तुम्हारी मूंछ तो बहुत अच्छी है, तुम मुझे यह दे दो मैं तुम्हें मुँह मांगा दाम दूंगा.' यह सुनते ही वह आदमी घर के अंदर गया और अपने सिर के बाल काट के लाकर के अंग्रेज के हाथ में दे दिए. बालों को देखकर अंग्रेज बोला कि 'यह क्या मैंने तो तुम्हारी मूंछ मांगी थी, तुम बाल क्यों ले आए?' अंग्रेज की बात सुनते ही उस व्यक्ति ने कहा कि'माल हमेशा गोदाम से दिया जाता है न कि शोरूम से !'

□ □ □

जज-'तुमने एक ही दुकान में चार बार चोरी क्यों की ?'

चोर-'साहब पहली तीन बार मेरी बीवी को कोई साड़ी पसंद नहीं आई थी, इसलिए !'

फिल्म वर्ग पहेली- 2933

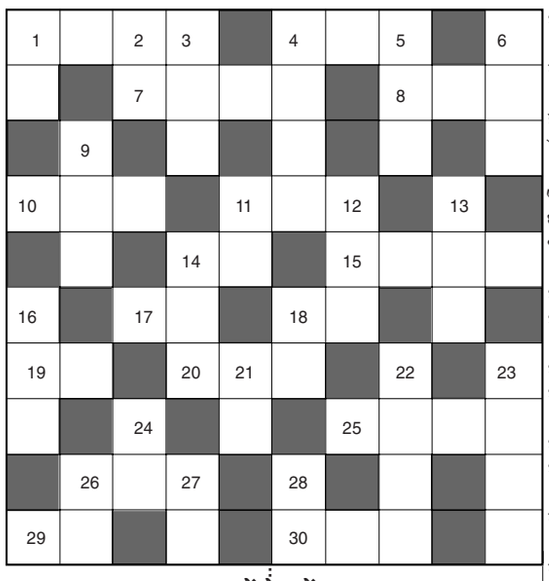

बायें से दायें:-

१. सैफअली खान, रानी मुखर्जी की 'सांसों को सांसों में ढलने दो' गीत वाली फिल्म-२,२
४. 'रंग भरे मौसम से रंग चुराके' गीत वाली जैकी श्रॉफ, जूही चावला की फिल्म-३
७. गोविंदा, मनीषा की 'ठहरो तो सही सोचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-४
८. 'संडे की रात थी' गीत वाली गोविंदा, रवीना की फिल्म-३
१०. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या भारती की 'तेरी उम्मीद तेरा इंतजार' गीत वाली फिल्म-३
११. फिल्म 'मनोरंजन' में शम्मीकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१४. सलमान, सोमी की 'दिल मेरा यहां' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'कब के बिछड़े हुए' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-४
१७. अमजद खान, बिंदिया गोस्वामी की 'दिल के टुकड़े टुकड़े' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'मेरे खयालों की मलिका' गीत वाली शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की फिल्म-२
१९. सुनील शेट्टी, रंभा की 'कहां गये ममता' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'तुम भी चलो' गीत वाली अमिताभ, विनोद खन्ना, सायरा बानो की फिल्म-३
२५. अमिताभ, अरशद वारसी, करिश्मा, विजय शांति की फिल्म-४
२६. 'ये दपनियावाले' गीत वाली देवानंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२९. धर्मेन्द्र हेमा की 'दुनिया जब' गीत वाली फिल्म-२
३०. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. नसीरूद्दीनशाह, जैकीश्रॉफ, नगमा की फिल्म-२
२. करणनाथ, मनीषा नतान्यासिंह की 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-२
३. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-३
४. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की 'बदली है ना बदलेगी' गीत वाली फिल्म-४
५. देवानंद, मधुबाला की फिल्म-३
६. 'बनाकेक्यूं बिगाड़ा रे' गीत वाली फिल्म-३
९. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षयखन्ना, अमृता राव की फिल्म-३
११. 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'खाई है रे हमने' गीत वाली राजेंद्र, शर्मिला की फिल्म-३
१३. फिल्म 'सपने साजन के' की नायिका-३
१४. राजकपूर, दिलीपकुमार, नर्गिस की 'झूम झूम के नाचो आज' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली फिल्म-३
१८. सनी देओल, सुष्मिता सेन की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'मेरे तो गिरधर गोपाल' गीत वाली फिल्म-२
२२. मनोजकुमार, साधना की फिल्म-४
२३. 'जो उनकी तमन्ना है' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
२६. 'सुना था देखा ना था' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
२७. अमिताभ, रितिक, प्रीति की फिल्म-२
२८. 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2932

दी	वा	ने		फू	ल	औ	र	कां	टे
वा		हा	सि	ल		जा		टे	
र	न		र्फ		शे	र	नी		झु
	सी		तु	म			य	ती	म
श	ब	न	म		स	पू	त		रू
त		र्गि		जू		र्णि		तू	
र		स	हे	ली		मा	ई	ल	व
ज	या		रा		ज		मा		र
	रा	ज	म	ह	ल		न		दा
ली	ना			म	वा	ली		डॉ	न

सूडोकु -2933

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2932 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शब्द पहेली -2933

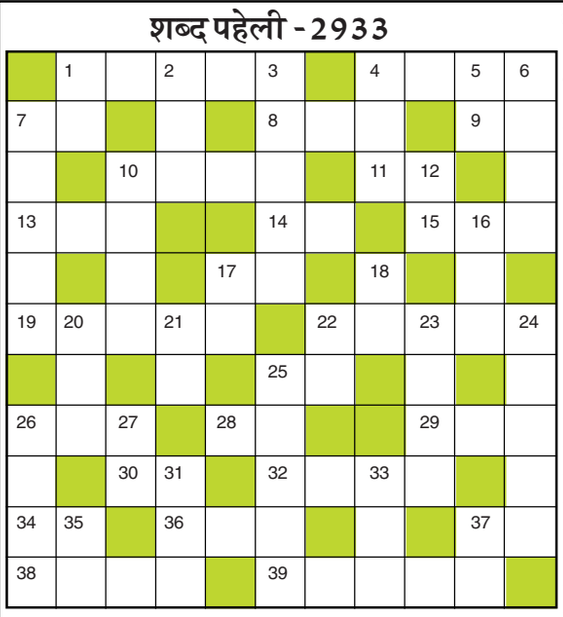

बाएँ से दाएँ

1.अपनापन का विलोम-5
4.हठ करना,रोना,लालसा करना-4
7.गीत (अंग्रेजी-2)
8.गलीचा,कारपेट-3
9.किनारा,छोर-2
10.झगड़ा,कहासुनी-4
11.समय,वक्त-2
13.बेबस-3
14.राष्ट्र,स्वदेश-2
15.पुत्र,लड़का-3
17.प्राप्त करना-2
19.सेंधमार-5
22.चरित्र,व्यवहार-2,3
25.जीव,दूत,जासूस-2
26.आत्मबलि देना-3
28.ताकत,जोश,बल-2
29.कराह,टीस,लालसा-3
30.वहम,संदेह-2
32.आह भरना-4
34.दूर्वा,घास-2
36.चोंगा,गाऊन-3
37.सफर,जात्रा-2
38.दयालु,कृपालु-4
39.निर्माण करने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.पांव, पैर-2
2.भिखारी,मंगता-3
3.अस्वीकृत करना-3,2
4.माला का मोती-3
5.बुरी आदत-2
6.नाटक से परिपूण-4
7.हल्का काला,श्याम-5
10.व्यवस्थित-4
12.बुरी आदत-2
16.अनुकृति-3
17.तांबूल,पत्ता-2
18.रुखसार,कपोल-2
20.डोली अथवा पालकी उठाने वाले -3
21.जोड़,योग-2
22.चतुर्थ-2
23.आनंद ध्वनि करना-4
24.महात्मा गांधी की दांडी यात्रा-5
25.चमकीला-5
26.नीच,नराधम -4
27.विनाश, नेस्तनाबूत-2
31.रंग (अंग्रेजी-3)
33.पराजित करना-3
35.गौरेया, एक चिड़िया-2
37.दोस्त,मित्र, सखा-2

शब्द पहेली -2932 का हल

	व	र	दा	न		अ	प	मा	न	
स			य		म		ह			ह
र		श	रा	र	त	क	र	ना		व
क	ल	ह			वा			का	न	न
ना		र		अ	ला	व		रा	ख	
	दा		का	म		च	प्पू		रा	
	व	जु		न	म	न		पा		मु
क	त	रा			हा			ल	ल	क
ल		ब	लि	दा	न	क	र	ना		र
म			ख		ता		ई			ना
	ना	ना	ना	नी		फि	स	ल	ना	

भाई-बहन का बंधन हर भावना का अनुभव करता है: सुष्मिता

बालीवुड एक्ट्रेस सुष्मिता सेन ने सीरिज आर्या में अपने ऑन-स्क्रीन भाई-बहन के रिश्ते के बारे में कहा कि रक्षाबंधन एक उत्सव है, जहां आप इम्परफेक्ट बॉन्ड साझा करते हैं, मुश्किल समय में एक-दूसरे की ताकत बनने का वादा करते हैं। एक-दूसरे का सपोर्ट करने से लेकर सबसे मूर्खतापूर्ण चीजों पर लड़ने तक, भाई-बहन का बंधन हर भावना का अनुभव करता है।

सुष्मिता ने कहा कि सीरिज आर्या में निभाए गए अंकुर भाटिया के साथ भाई-बहन के रिश्ते का ऐसा ही एक जटिल पहलू हमने सीरीज आर्या में देखा। हालांकि, आर्या (सुष्मिता) और संग्राम (अंकुर) के बीच भाई-बहन का अच्छा रिश्ता नहीं है, लेकिन एक-दूसरे के लिए प्यार और देखभाल अटूट है। इसके बारे में सुष्मिता ने कहा, भाई-बहन के रिश्तों को शब्दों में बयां करना बहुत मुश्किल है। वे लड़ते हैं, वे सुलह करते हैं, वे फिर से लड़ते हैं, यह चलता रहता है जिसका हम सभी आनंद लेते हैं। आर्या और संग्राम के बीच का बंधन ऐसा नहीं है, लेकिन उनके रिश्ते के बारे में मुझे जो पसंद है, वह यह है कि उन्होंने अपने कड़वे रिश्ते को स्वीकार किया है और एक-दूसरे के लिए अपने प्यार को जाने नहीं दिया है।

रक्षाबंधन का बिल्कुल यही मतलब है। एक्ट्रेस ने कहा, एक उत्सव जहां आप इस इम्परफेक्ट बॉन्ड को अपनाते हैं और मुश्किल समय में एक-दूसरे की ताकत बनने का वादा करते हैं। बता दें कि सीरिज आर्या एक क्राइम-थ्रिलर ड्रामा है, जो राम माधवानी और संदीप मोदी द्वारा सह-निर्मित है, जिन्होंने सीरीज का निर्देशन भी किया है, जबकि विनोद रावत सह-निर्देशक के रूप में कार्यरत हैं।

हिरानी के साथ आमिर की अगली फिल्म दिसंबर 2024 में आयेगी

फिल्म निर्माता राजकुमार हिरानी के साथ अभिनेता आमिर खान की अगली फिल्म क्रिसमस पर रिलीज होगी हालांकि अभी तक इसका नाम नहीं रखा गया है। हाल ही में फिल्म निर्माता राजकुमार हिरानी ने आमिर को एक स्क्रिप्ट सुनाई है, जिसे लेकर वो बेहद उत्साहित हैं। अभी अनुमान लगाया जा रहा है कि ये फिल्म एक डॉक्यूमेट्री होने वाली है। इसी के साथ आमिर अभिनय में वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार नजर आ रहे हैं। यह अक्षय कुमार की वेलकम 3 के साथ टकराएगी।

इस फिल्म का प्री-प्रोडक्शन चल रहा है और यह 20 जनवरी, 2024 को फ्लोर पर जाएगी। आमिर खान ने अगली फिल्म के लिए दिसंबर 2024 को तय किया है।आमिर खान प्रोडक्शंस के प्रोडक्शन नंबर 16 ने अभी शीर्षक तय नहीं किया है पर कहा जा रहा है कि 20 दिसंबर 2024 क्रिसमस 2024 को ये रिलीज होगी। फिल्म का प्री-प्रोडक्शन जारी है और फिल्म 20 जनवरी 2024 को फ्लोर पर जाएगी।अधिक जानकारी जल्द ही मिलेगी।

लाल सिंह चड्ढा की असफलता के बाद आमिर ने एक्टिंग से ब्रेक ले लिया। इस अभिनेता ने पंजाबी फिल्म कैरी ऑन जट्टा 3 के ट्रेलर लॉन्च के दौरान कहा था, मैंने अभी तक कोई फिल्म करने का फैसला नहीं किया है। मैं अभी अपने परिवार के साथ समय बिताना चाहता हूं। मैं इसके बारे में अच्छा महसूस कर रहा हूं क्योंकि मैं अभी यही करना चाहता हूं। मैं निश्चित तौर पर तभी फिल्म करूंगा जब मैं भावनात्मक रूप से तैयार हो जाऊंगा। अक्षय की वेलकम 3 का नाम कथित तौर पर वेलकम टू द जंगल रखा गया है।

हाल ही में फिल्म निर्माता राजकुमार हिरानी ने हाल ही में आमिर को एक स्क्रिप्ट सुनाई है, जिसे लेकर वो बेहद उत्साहित हैं। अभी अनुमान लगाया जा रहा है कि ये फिल्म एक डॉक्यूमेट्री होने वाली है। आमिर खान और हिरानी काफी अच्छे दोस्त हैं। दोनों लंबे वक्त से एक-दूसरे के साथ फिल्म करना चाह रहे है, लेकिन अबतक ऐसा कोई प्रोजेक्ट नहीं था जिसपर दोनों की सहमति बनी हो। हालांकि अब लगता है दोनों को एक ऐसी स्क्रीप्ट मिल गई है जिसपर दोनों की सहमति बन गई है। हिरानी ने आमिर के साथ एक बायोपिक बनाने का फैसला किया है।

क्या जाह्नवी ने गुपचुप तरीके से की सगाई?

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर फिल्मों से ज्यादा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहता है। अपने फिल्मी करियर में जाह्नवी का नाम कई लोगों संग जुड़ जाता है। इन दिनों जाह्नवी कपूर शिखर पहाड़िया संग डेटिंग की खबरों को लेकर छाई हुई है। जाह्नवी और शिखर पहाड़िया अक्सर साथ में टाइम स्पेंड करते हुए नजर आते रहते हैं। हाल ही में जाह्नवी अपने कथित बॉयफ्रेंड संग तिरुपति बालाजी मंदिर दर्शन करने भी पहुंची थीं। वहीं अब खबरें सामने आ रही है कि दोनों का रिश्ता एक कदम आगे बढ़ चुका है। दअरसल, खबरें वायरल हो रही है कि जाह्नवी कपूर ने शिखर पहाड़िया संग गुपचुप सगाई कर ली है। इस बात की चर्चा तब शुरू हुई जब तिरुपति मंदिर से जाह्नवी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इस वीडियो में जाह्नवी पर्पल और सिल्वर कलर की साड़ी पहने नजर आ रही थक्षं। इस दौरान जाह्नवी ने रिंग फिंगर में डायमंड की रिंग भी पहनी हुई थी। वहीं शिखर पहाड़िया ट्रेडिशनल व्हाइट वेष्टि और अंगवस्त में दिखाई दिए। जाह्नवी की रिंग फिंगर में अंगूठी नजर आने के बाद यूजर्स अंदाजा लगा रहे हैं कि उन्होंने सीक्रेट सगाई कर ली है। यूजर्स सोशल मीडिया पर कमेंट करके इसकी चर्चा कर रहे थे। लेकिन अब जाह्नवी की अंगूठी के पीछे का सच भी सामने आ गया है। पिंकविला की रिपोर्ट के अनुसार एक सोर्स ने जाह्नवी जान्हवी कपूर अकसर अपनी मां श्रीदेवी की जयंती पर उन्हें सम्मानित करने के लिए तिरुमाला मंदिर जाती हैं। लेकिन इस साल वो 13 अगस्त को मंदिर नहीं जा सकीं, क्योंकि वो भोपाल में अपनी फिल्म उलझ की शूटिंग कर रही थीं। शूटिंग से लौटने के बाद, उन्होंने मंदिर का दौरा ज़रूर किया। अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने अंगूठी समेत अपनी मां के गहने पहने थे। उनकी सगाई की अफवाहें पूरी तरह से बकवास हैं। जाह्नवी कपूर के वर्क फ्रंट की बात करें तो उनके पास कई प्रोजेक्ट्स की लाइन लगी हुई है। वह जल्द ही राजकुमार राव के साथ 'मिस्टर एंड मिसेस माही' में नजर आएंगी। इसके अलावा उनके पास जूनियर एनटीआर के साथ 'देवरा' और अक्षय कुमार के साथ 'बड़े मिया छोटे मिया' भी है।

नॉट रमैया वस्तावैया गाने का फुल वर्जन जारी

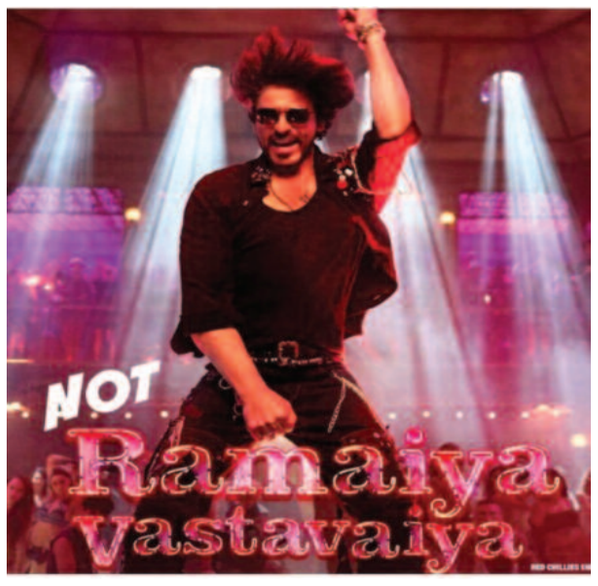

बॉलीवुड मेगास्टार शाहरुख खान ने हाल ही हिंदी, तमिल और तेलुगु में नॉट रमैया वस्तावैया गाने का फुल वर्जन जारी किया है। गाने पर शाहरुख खान साउथ सुपरस्टार नयनतारा के साथ स्टेज पर धमाल मचाते नजर आ रहे हैं। इस गाने में बेहतरीन साउंड डिजाइन के साथ बूमिंग प्रोडक्शन है। इलेक्ट्रॉनिक, टेक्नो, फिल्म म्यूजिक, ईडीएम, थोड़ा सा लोक और आइटम नंबर्स का मिश्रण नॉट रमैया वस्तावैया फ्लोर ट्रैक पर एक प्योर डांस है। शाहरुख खान को एक्ट्रेस नयनतारा और कुछ अन्य बैकअप डांसर्स के साथ फ्लोर पर नाचते हुए देखा जा सकता है। सभी स्वैग, ग्रूव और एटीट्यूड से भरपूर, शाहरुख खान एक परफेक्ट डांस ट्रैक लेकर आए हैं, जो लोगों को जवान के ट्रेलर के लिए और अधिक उत्साहित कर रहा है। बता दें कि । गाना नॉट रमैया वस्तावैया में राज कपूर की लीजेंडरी फिल्म श्री 420 के आइकॉनिक ट्रैक को मॉडर्न टच दिया गया है, लेकिन यह अभी भी अपनी खुद की यूनिट है और सिर्फ एक रीमिक्स होने के बजाय, इसका रीमेक पूरी तरह से कुछ और है।

शाहिद ने पगड़ी पहने कई तस्वीरें की पोस्ट

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर बॉलीवुड स्टार शाहिद कपूर ने पगड़ी पहने कई तस्वीरें पोस्ट की। प्रथम फोटो में वह तैयार होते नजर आ रहे हैं। दूसरी फोटो में वह पगड़ी ठीक करवा रहे हैं। एक अन्य तस्वीर में शाहिद पिता पंकज कपूर के साथ पोज देते नजर आ रहे हैं। शाहिद ने ब्लैक कलर का कुर्ता और क्रीम कलर की पगड़ी पहनी हुई है। जबकि, उनके पिता पंकज कपूर ने वाइट शर्ट और पगड़ी के साथ कोट पहना हुआ है। फोटोज को शेयर करते हुए एक्टर ने कैप्शन में लिखा, पिताजी हमेशा कहते हैं घर पर शादी होगी तो पग पएगा ना। वर्कफ्रंट की बात करें तो, शाहिद को आखिरी बार अली अब्बास जफर द्वारा निर्देशित एक्शन थ्रिलर फिल्म ब्लडी डैडी में देखा गया। इसमें संजय कपूर, डायना पेंटी, रोनित रॉय, राजीव खंडेलवाल, अंकुर भाटिया और विवान भटेना भी हैं। यह 2011 की फ्रांसीसी फिल्म स्लीपलेस नाइट का रूपांतरण है।

रसिका दुग्गल निभाना चाहती हैं पर्दे पर अमृता प्रीतम का किरदार

रसिका दुग्गल ने अपने दमदार अभिनय से अलग पहचान बनाई है। एक्ट्रेस को वेब सीरीज 'मिर्जापुर' से जबरदस्त लोकप्रियता मिली है। हाल ही में रसिका दुग्गल ने सिल्वर स्क्रीन पर कवयित्री-लेखिका अमृता प्रीतम का किरदार निभाने की इच्छा जताई है। रसिका दुग्गल ने कहा, मेरे ख्याल से अमृता प्रीतम का लेखन एक ही सांस में रोमांस और क्रांति की बात करता है। उनके शब्दों में एक उदासी है, एक चाहत है, एक जुनून है, एक शांत गुस्सा है, एक सवाल है और एक कल्पना है जो कभी भी अपने बारे में सचेत नहीं होती है और इसलिए दिल में घर कर जाती है। एक्ट्रेस ने कहा, मैं उनकी कविता से बहुत प्रभावित हुयी हूं और उनकी जीवनियों से बहुत प्रभावित से भी। यहां एक महिला है जिसने अपनी शर्तों पर जीवन जिया- अपने जोश और जुनून को स्वीकार किया और निडर होकर उनका पालन-पोषण किया। यदि उनके बारे में कोई फिल्म बनी तो उन्हें चित्रित करने का अवसर मिलना मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा होगा। वर्क फ्रंट की बात करें तो रसिका दुग्गल जल्द ही दिल्ली क्राइम के तीसरे सीज़न में नीति सिंह के रूप में दिखाई देगी। इसके अलावा, वह मिर्जापुर की बहुप्रतीक्षित तीसरे सीक्वल में बीना त्रिपाठी के रूप में लौटने के लिए तैयार हैं। वह लिटिल थॉमस, लॉर्ड कर्जन मेंशन, स्पाइक, फेयरी फोक और कुछ अन्य प्रोजेक्ट्स में भी दिखाई देंगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजकुमार शर्मा ने वैकुंठ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड सी -285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर कार्यालय 178 राहुल विहार विजय नगर,गाजियाबाद से प्रकाशित किया है। किसी खबर या लेख से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गाजियाबाद में होगा। प्रबंध संपादक-महेश कुमार - 9911733939, कानूनी सलाह- नरेंद्र सिंह रणोत एडवोकेट, सलाहकार कुशल सिंह, RNI No-UPHIN/2013/50466, Editor R.K. Sharma : 09456278011